RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 275 , शनिवार, 21 नवंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com





आगामी 25-26 दिसंबर को अखिल भारतीय भूमिहार ब्राह्मण महासंघ की राष्ट्रीय... 03



सिसहनी के लक्ष्मीनारायण घाट पर 501 कन्याओं की कलश यात्रा से छह दिवसीय यज्ञ ... 04

बग बॉस में पति विक्की जैन ने नहीं दिया साथ अंकिता लोंखंडे... 07

● रक्षा एक्सपर्ट बोले-घटिया हरकत, फ्लाइटग्लोबल को दिए गए थे पैसे

पाकिस्तान ने भारत के 36 राफेल की जगह 32 छापने के लिए ब्रिटिश पब्लिकेशन को दी थी मोटी रकम

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटिश एविएशन पब्लिकेशन 'फ्लाइटग्लोबल' ने अपनी 'वर्ल्ड एयर फोर्सेज डायरेक्टरी 2027' में ये दावा किया है कि भारतीय वायु सेना द्वारा खरीदे गए 36 राफेल लड़ाकू विमानों में से 32 अभी सक्रिय हैं। हकीकत ये है कि भारत के पास अब भी 36 एक्टिव राफेल हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वाइस एयर चीफ रहे एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने पूरी तरह से गलत करार दिया है।

ये वही राफेल हैं, जिन्होंने मई, 2025 के दौरान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मौजूद आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। उसी वक्त से पाकिस्तान राफेल से चिढ़ा हुआ है और जब-तब इसके खिलाफ प्रोपेगंडा वाली खबरें छपवाता रहा है।

पूर्व वाइस एयरचीफ बोले-पूरी तरह से गलत- फ्लाइटग्लोबल की रिपोर्ट में भारतीय वायु सेना के पास 4 राफेल जेट की संख्या कम होने के पीछे कोई स्पष्टीकरण या सबूत नहीं दिया गया है। इस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए ऑपरेशन सिंदूर के



दौरान वाइस एयर चीफ रहे एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी (रिटायर्ड) ने इन आंकड़ों को पूरी तरह से गलत बताया और इस एविएशन मैगजीन के स्रोतों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। ऑपरेशन सिंदूर के कुछ महीनों बाद प्रकाशित अपनी पिछले साल की रिपोर्ट में भी, फ्लाइटग्लोबल ने 35 सक्रिय राफेल विमानों का जिक्र किया था।

पिछली बार भी राफेल की संख्या 35 बताई गई थी

ऑपरेशन सिंदूर के बाद नवंबर 2025 में प्रकाशित फ्लाइटग्लोबल की इस डायरेक्टरी के पिछले संस्करण में भारत के बेड़े में मौजूद इन फ्रांसीसी निर्मित राफेल विमानों की संख्या 35 बताई गई थी। हालांकि, द हिंदू को रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने इस आकलन की प्रमाणिकता पर सवाल उठाया है और कहा कि यह जानकारी मंत्रालय की ओर से नहीं दी गई थी। राफेल सौदे को लेकर भारत आगे बढ़ रहा है और IAF प्रमुख फ्रांस में बातचीत कर रहे हैं। रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि डायरेक्टरी में छपे आंकड़े आईएएफ की ओर से नहीं आए हैं। वहीं, डिफेंस एक्सपर्ट लेफ्टिनेंट कर्नल (रिटायर्ड) जेएस सोढ़ी ने कहा है कि यह इस्लामाबाद की भारत को बदनाम करने की साजिश है। वायुसेना के पास अब भी एक्टिव 36 राफेल हैं।

सैफ अली खान को धमकी

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के वॉन्टेड का नाम आया सामने, डिजिटल सबूतों की जांच कर रही पुलिस

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड कलाकारों को धमकी मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब अभिनेता सैफ अली खान को धमकी मिलने की खबर सामने आई है। समाचार एजेंसी आईएएनएस के अनुसार, सूत्रों के मुताबिक, इस बार धमकी देने के पीछे बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में वांटेड आरोपी जीशान अख्तर का नाम सामने आया है। मुंबई पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।



हालांकि, अभी यह साफ नहीं हुआ है कि धमकी वास्तव में जीशान अख्तर ने ही दी है या किसी दूसरे व्यक्ति ने उसके नाम का इस्तेमाल किया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, सैफ अली खान के फोन पर एक वॉयस मैसेज आया था। इसमें कहा गया कि उनका भी वही हाल होगा, जो बाबा सिद्दीकी का हुआ था। पुलिस अब इस मैसेज की जांच कर रही है। अधिकारी ने बताया कि यह भी पता लगाया जा रहा है कि कहीं कोई दूसरा व्यक्ति जीशान अख्तर बनकर फिल्मी सितारों और पुलिस को परेशान तो नहीं कर रहा है। फिलहाल सैफ अली खान की ओर से इस मामले पर कोई सार्वजनिक बयान सामने नहीं आया है।

संक्षिप्त समाचार

सोना एक साल में सबसे सस्ता

नईदिल्ली (एजेंसी)। सोना-चांदी में लगातार गिरावट जारी है। आईबीजेए के मुताबिक, शुक्रवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 5,947 रुपए सस्ता होकर 1.23 लाख रुपए पर आ गया।

इस गिरावट के बाद सोना करीब एक साल पुराने



स्तर पर पहुंच गया है। पिछले साल 24 नवंबर को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,23,308 रुपए था। इसके बाद सालभर तक इसके भाव ज्यादा बने रहे। इधर, चांदी के भाव में भी शुक्रवार को 9,789 रुपए प्रति किलो की गिरावट दर्ज की गई। इसके बाद चांदी 1.50 लाख रुपए प्रति किलो पर आ गई। अमेरिकी डॉलर में मजबूती और ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली के चलते सोने-चांदी की कीमतों पर दबाव बना हुआ है।

योगी आदित्यनाथ की मां का निधन

देहरादून (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का शुक्रवार को निधन हो गया। वे 91 साल की थीं। सावित्री देवी लंबे समय से बीमार चल रही थीं। पौड़ी गढ़वाल के पंचूर गांव में सुबह 11 बजे अंतिम सांस ली। उस वक्त घर में योगी के भाई महेंद्र और उनका परिवार मौजूद था। योगी आदित्यनाथ करीब 4 बजे तक पंचूर गांव पहुंच सकते हैं।



एसएसपी सर्वेश पवार ने बताया कि आज ऋषिकेश के संपूर्णानंद घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया जा सकता है। जिस वक्त सावित्री देवी का विधन हुआ उस वक्त योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में सशक्त युवा, समृद्ध उत्तर प्रदेश कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

राजस्थान में 6 डिग्री, मप्र में पारा 7 डिग्री पहुंचा

नई दिल्ली/लखनऊ/भोपाल/जयपुर/पटना (एजेंसी)। पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में लगातार बर्फबारी जारी है। इसके असर से मैदानी राज्यों में भी कड़ाके की ठंड शुरू हो गई है।



राजस्थान के फतेहपुर में पारा 5.7 डिग्री दर्ज किया गया। एमपी में कटनी सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 7 डिग्री तक पहुंच गया। राजधानी दिल्ली का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री रहा। ठंड के साथ ही कोहरे की भी शुरुआत हो गई है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में सुबह घना कोहरा छाया है। इधर चक्रवाती तूफान अकवान का असर देश के कई राज्यों में दिख रहा है। इसके चलते बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल समेत 12 राज्यों में बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति विवाद पर

सुप्रीम कोर्ट का अलग सुनवाई से इनकार

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक याचिका पर अलग से सुनवाई करने से इनकार कर दिया। इस याचिका में 2023 के उस कानून पर फिर से विचार करने की मांग की गई थी, जिसके तहत मुख्य चुनाव आयुक्त (सीजेआई) और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति होती है। दरअसल, इस कानून को चुनौती देने वाले मामले में दो जजों की बेंच ने अलग-अलग राय दी थी। अब इस बंटे हुए फैसले को वापस लेने और मामले पर दोबारा विचार करने की मांग की गई थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) की एक पीठ ने कहा कि रीकॉल (वापसी) आवेदन, और साथ ही रेफरेंस आदेश को चुनौती देने वाली किसी भी याचिका पर, पांच न्यायाधीशों वाली उस



संविधान पीठ की ओर से विचार किया जा सकता है, जिसे पहले ही मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए गठित किया गया है।

फैसले को वापस लेने की अर्जी पर कब विचार किया जा सकता है?

सीजेआई ने यह भी कहा कि पांच जजों की बेंच रिकॉल एप्लीकेशन (फैसले को वापस लेने की अर्जी) पर तब भी विचार कर सकती है, जब उस बेंच के जजों में से कोई एक रिटायर हो जाए, जिसने वह स्प्लिट वर्डिक्ट (बंटा हुआ फैसला) दिया था।

जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थलों की लिस्ट से हटाने पर सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट बोला- दावों की पुष्टि के लिए हलफनामा दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने से जुड़ी याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिकाकर्ता की लिखित दलीलों में शामिल तथ्यों पर सवाल उठाए। इस पर कोर्ट ने कहा कि जो भी दावे हैं, उनकी पुष्टि हलफनामे के जरिए होनी चाहिए, ताकि कोई व्यक्ति उनकी जिम्मेदारी ले सके। वरिष्ठ वकील मुक्ता गुप्ता ने कहा कि दलीलों में विवादित तथ्यों के बजाय कानूनी प्रावधानों और तर्कों का जिक्र है। हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हलफनामे के बिना तथ्यात्मक दावों को स्वीकार नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ता को जवाबी दलील दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय देते हुए सुनवाई टाल दी गई।

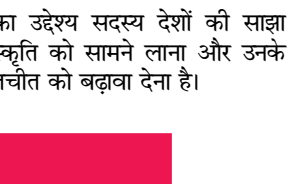
कावेरी पानी विवाद पर तमिलनाडु की सुप्रीम कोर्ट की 2 याचिकाएं खारिज - सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कावेरी पानी विवाद से जुड़ी तमिलनाडु सरकार की दो अर्जियां खारिज कर दीं। राज्य ने कर्नाटक को करीब 11 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की थी।

हाईवे से अतिक्रमण हटाने के नाम पर तोड़फोड़ नहीं कर सकते- सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे अवैध निर्माण हटाने के उसके पुराने आदेश को मनमानी तोड़फोड़ का आधार नहीं बनाया जा सकता।

दीपथून विवाद पर तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर दीप जलाने की दी अनुमति, एक बार के लिए मिली छूट- तमिलनाडु के मदुरै स्थित तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर कार्तिगई दीपम जलाने को लेकर चल रहे विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने 24 नवंबर को पहाड़ी पर स्थित दीपथून (पत्थर के दीप स्तंभ) पर दीप जलाने की अनुमति दे दी है। हालांकि, यह अनुमति केवल एक बार के लिए दी गई है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने कहा कि दीप जलाने के लिए केवल मंदिर प्रशासन के अधिकृत लोगों और सरकारी अधिकारियों को ही वहां जाने की अनुमति होगी।

लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी के बीच खाटू श्याम जी में भीषण अग्निकांड...

सीकर (एजेंसी)। खाटू श्याम जी मंदिर के नए निकास मार्ग पर स्थित एक भोजनालय में शुक्रवार तड़के भीषण आग लग गई। इस समय वहां जयंती समारोह चल रहा है। आग



किन कारणों से लगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन देखते ही देखते इसने पूरे भोजनालय को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें काफी दूर से देखी जा सकती थीं। भोजनालय के अंदर दो दर्जन से अधिक गैस सिलेंडर रखे थे, जिनमें से चार जोरदार धमाके के साथ फट गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय निवासी और व्यापारी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए।

चक्रवात 'अकवान' का कहर

● 45 ट्रेनें रद्द, 28 का समय बदला ● 15 किमी/घंटा की रफ्तार से तट की ओर बढ़ रहा तूफान

बालासोर (एजेंसी)। पूर्वी तट की ओर बढ़ रहे भीषण चक्रवाती तूफान 'अकवान' को देखते हुए ओडिशा और आंध्र प्रदेश के प्रशासन ने अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। संवेदनशील जिलों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की योजनाएं बनाई गई हैं, चक्रवात आश्रय स्थल (साइक्लोन शेल्टर) तैयार किए गए हैं और आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों को तैनात किया गया है।



पारादीप में, पारादीप पोर्ट अथॉरिटी तूफान के दौरान चौबीसों घंटे निगरानी रख रही है। उन्होंने 54 मछुआरों को ले जा रही छह मछली पकड़ने वाली नावों को सुरक्षित आश्रय प्रदान किया है। बालासोर के जिलाधिकारी सूर्यवंशी मयूर विकास ने बताया कि प्रशासन ने 145 स्थायी चक्रवात आश्रय स्थल तैयार किए हैं और 1,250 अस्थायी आश्रय स्थल बनाए हैं। विभिन्न विभागों ने विशेष टीमें गठित की हैं, और ब्लॉक स्तर पर वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

उन्होंने कहा, बालासोर प्रशासन फिलहाल सभी जरूरी तैयारियां कर रहा है। हमने 145 स्थायी चक्रवात आश्रय स्थल तैयार कर लिए हैं, और इसके अलावा 1,250 अस्थायी आश्रय स्थल भी बनाए हैं। साथ ही, संबंधित विभागों ने विशेष टीमें बनाई हैं। ब्लॉक स्तर पर एडीएम, सब-कलेक्टर और सीडीओ जैसे वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है।

पीएम ने दिल्ली में पहले एससीओ फोरम का उद्घाटन किया

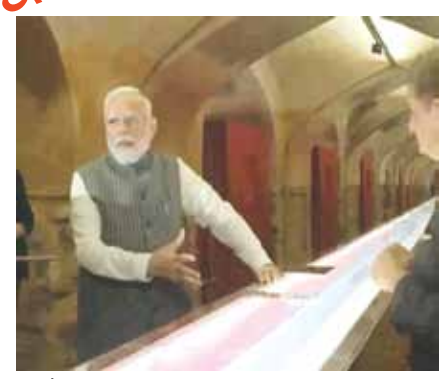
25 देशों के प्रतिनिधि हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शुक्रवार शाम दिल्ली के पुराना किला में पहले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम 20 से 22 नवंबर तक चलेगा।

इसका आयोजन संस्कृति मंत्रालय और विदेश मंत्रालय मिलकर कर रहे हैं।

इस फोरम में ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पाकिस्तान का कोई मंत्री भारत पहुंचा। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण समन्वय मंत्री मुसादिक मसूद मलिक इसमें शामिल हुए। वे पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

इस फोरम में चीन, ईरान सहित 25 देश शामिल



हुए हैं। फोरम का उद्देश्य सदस्य देशों की साझा सभ्यता और संस्कृति को सामने लाना और उनके बीच आपसी बातचीत को बढ़ावा देना है।

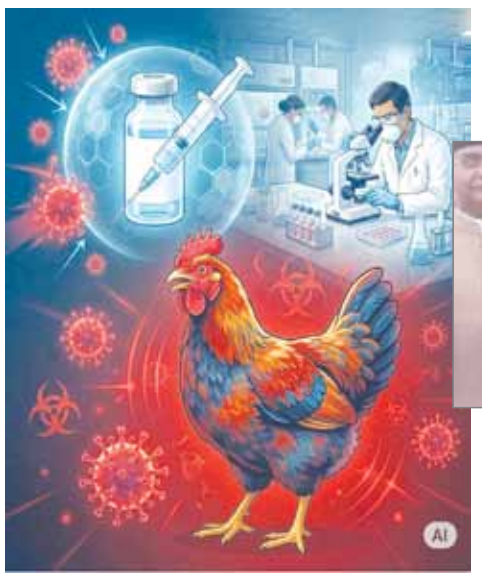
भोपाल में आईसीएआर संस्थान में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने

बर्ड फ्लू से बचाव के लिए लॉन्च की पहली स्वदेशी वैक्सीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने मुर्गियों को बर्ड फ्लू से बचाने के लिए पहली स्वदेशी एच5एन1 वैक्सीन विकसित की है। भोपाल स्थित आईसीएआर संस्थान ने इसे तैयार किया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसे लॉन्च किया। वैक्सीन बर्ड फ्लू के खतरनाक वायरस के एक खास प्रकार के खिलाफ बनाई गई है। हाल के वर्षों में बर्ड फ्लू की दुनियाभर में खूब चर्चा रही है, इससे कई स्थानों से मौत की खबरें भी सामने आई थीं। वैसे तो बर्ड फ्लू को मुर्गियों से फैलने वाली बीमारी माना जाता रहा है।

यह बीमारी इतनी गंभीर हो सकती है कि संक्रमित पक्षियों में मौत का आंकड़ा लगभग 100 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। ऐसे में मुर्गियों को इस जानलेवा बीमारी से बचाने के लिए भारत ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। देश में पहली बार एच5एन1 बर्ड फ्लू वायरस के स्ट्रेन के खिलाफ स्वदेशी वैक्सीन तैयार की गई है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में इस वैक्सीन को लॉन्च किया।

यह वैक्सीन न सिर्फ भारत की वैज्ञानिक क्षमता और



आत्मनिर्भरता को दिखाती है, बल्कि पोल्ट्री क्षेत्र को बर्ड फ्लू जैसी गंभीर बीमारी से बचाने की दिशा में भी अहम कदम मानी जा रही है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को



भोपाल में मुर्गियों को बर्ड फ्लू से बचाने के लिए देश में विकसित पहली स्वदेशी एच5एन1 वैक्सीन लॉन्च की। कार्यक्रम में वैक्सीन लॉन्च करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, यह वैक्सीन भारत की आत्मनिर्भरता का उदाहरण है।

इस वैक्सीन को भोपाल स्थित आईसीएआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज (राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान) ने विकसित किया है। यह संस्थान पशुओं और पक्षियों में फैलने वाली गंभीर संक्रामक बीमारियों पर रिसर्च करता है। यह भारत में पहली ऐसी वैक्सीन है, जिसे बेहद खतरनाक एवियन इन्फ्लूएंजा के एच5एन1 वायरस के क्लेड 2.3.2.1ए प्रकार के खिलाफ तैयार किया गया है।

क्लेड का मतलब वायरस का एक खास समूह या प्रकार है, जिसकी आनुवंशिक बनावट दूसरे प्रकारों से कुछ अलग हो सकती है।

हाइली पैथोजेनिक एवियन इन्फ्लूएंजा (एचपीएआई) को आम भाषा में बर्ड फ्लू कहा जाता है। यह मुर्गियों और दूसरी पक्षियों को प्रभावित करने वाली एक गंभीर बीमारी है। इस बीमारी के फैलने पर संक्रमित पक्षियों में लगभग 100 प्रतिशत तक मौतें हो सकती हैं। हाल के दिनों में इंसानों में भी बर्ड फ्लू का खतरा देखा गया है।

संक्षिप्त समाचार

पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केन्द्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर ने की नीतीश कुमार से मुलाकात

पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केन्द्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर ने शुक्रवार को मुलाकात की एवं आत्मीयता से कुशलक्षेम जाना। मुलाकात के दौरान नीतीश कुमार ने केन्द्रीय मंत्री से आत्मीय संवाद करते हुए उनके स्वास्थ्य एवं कुशलक्षेम की जानकारी ली। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन से जुड़ी स्मृतियों और विभिन्न समसामयिक विषयों पर आत्मीय बातचीत हुई। इस दौरान विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता सह विधान पार्षद ललन कुमार सर्राफ एवं राज्य नागरिक परिषद के महासचिव हरेन्द्र सिंह भी साथ रहे।

स्कॉर्पियो की टक्कर से टीचर की मौत, हाजीपुर से स्कूल जाते समय एक्सीडेंट, 2 महीने पहले हुआ था बेटे का जन्म

हाजीपुर। वैशाली जिले के लालगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार को स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार शिक्षक की मौत हो गई। हादसा पोझिया हाट के पास हुआ। शिक्षक हाजीपुर से स्कूल जा रहे थे। टक्कर के बाद वे सड़क पर गिर गए और उनके सिर में गंभीर चोट आई। जानकारी के मुताबिक, तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। 112 पुलिस टीम ने लोगों की मदद से घायल शिक्षक को लालगंज रेफरल अस्पताल पहुंचाया। वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।



मृतक वैशाली के प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल में शिक्षक थे। वे मूल रूप से मुजफ्फरपुर जिले के रहने वाले थे और परिवार के साथ हाजीपुर में किराये के मकान में रहते थे। शिक्षक के दो छोटे बच्चे हैं। उनके छोटे बेटे का जन्म महज दो महीने पहले हुआ था। हादसे की खबर मिलते ही उनके साथी शिक्षक और परिचित अस्पताल पहुंच गए। परिजनों को भी घटना की सूचना दी गई। लालगंज पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर भेजने की प्रक्रिया में जुटी है।

छठ के बाद यात्रियों के लिए 13 स्पेशल ट्रेनें चलेंगी, बिहार से मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद व दक्षिण भारत जाना होगा आसान

हाजीपुर। छठ पर्व के बाद दूसरे राज्यों में लौटने वाले यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे 13 स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। ये ट्रेनें बिहार के अलग-अलग स्टेशनों से मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, अहमदाबाद, उधना और दक्षिण भारत के लिए रवाना होंगी। पूर्व मध्य रेलवे के मुताबिक, इन स्पेशल ट्रेनों का परिचालन 20 से 24 नवंबर के बीच अलग-अलग तारीखों पर किया जाएगा। इनमें सहरसा-लोकमान्य तिलक, दानापुर-चलपल्ली, दानापुर-आनंद विहार, बरौनी-एरणाकुलम, दानापुर-बेंगलुरु कैंट, पटना-एरणाकुलम और जयनगर-उधना स्पेशल ट्रेनें शामिल हैं। इन ट्रेनों का ठहराव हाजीपुर, सोनपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बरौनी, पाटलिपुत्र, दानापुर, आरा, बक्सर और डीडीयू समेत कई स्टेशनों पर होगा। इनमें कुछ ट्रेनें अनारक्षित श्रेणी में भी चलाई जाएंगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा शुरू करने से पहले ट्रेनों के समय और ठहराव की ताजा जानकारी एनटीईएस या रेलवन ऐप पर देख लें।

1000 गाड़ियों संग बेटी का तिलक चढ़ाने पहुंचे अनंत सिंह, दामाद को 3 करोड़ की डिफेंडर-100 ग्राम सोने की चेन दी

पटना। पिछले कई दिनों से बिहार ही नहीं, देश में मोकामा विधायक अनंत सिंह की बेटी की शाही शादी की चर्चा हो रही है। शिवांगी सिंह की शादी की रस्में आज से शुरू हो गई हैं। इसका पहला वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में तिलक से पहले की रस्म करते शिवांगी दिख रही हैं। अनंत सिंह नदवां गांव से 1000 गाड़ियों के साथ बेटे का तिलक चढ़ाने दानापुर के रिसॉर्ट पहुंचे। छोटे बेटे अभिनव ने दामाद ऋषिकेश को हाथ में 80 ग्राम का ब्रेसलेट और 100 ग्राम सोने की चेन दी। इसके साथ ही दामाद को करीब 3 करोड़ की लैंड रोवर डिफेंडर कार गिफ्ट की है। मेन्यू में प्यूर वेज खाना बना है। खाने के लिए 33 स्टॉल लगाए गए हैं। तिलक समारोह में भोजपुरी स्टार शालिनी क्वीन, गुंजन सिंह, मोनू अलबेला, शिल्पी राज, धर्मेंद्र भारती परफॉर्म किया।

'अकवान' का असर-गया में हल्की बारिश, पटना समेत 13 जिलों में बारिश की संभावना



पटना। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती 'अकवान' तूफान का असर बिहार में भी दिखने लगा है। गयाजी में शुक्रवार सुबह हल्की बारिश हुई, वहीं बेगूसराय-नालंदा में बादल छाए है। आज यानी 20 नवंबर को पूर्वी और मध्य बिहार के कई इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, आज यानी शुक्रवार को प्रदेश के 13 जिलों बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। इसमें पटना, गया, नालंदा, जहानाबाद, अरवल, औरंगाबाद, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, जमुई, मुंगेर, बांका और भागलपुर जिले शामिल हैं। 22 नवंबर तक प्रदेश में बारिश की संभावना है। बीते 24 घंटे में प्रदेश के कई जिलों में घना कोहरा छाया रहा। विजिबिलिटी कम होने की वजह से लोग गाड़ियों की लाइट जलाकर सफर कर रहे थे। दरअसल, बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवाती तूफान अकवान शुक्रवार को ओडिशा और आंध्र प्रदेश के तट के आसपास पहुंचेगा। समुद्र में इसकी रफ्तार 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे रहने का अनुमान है। झोंकों की गति 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। तूफान के कारण प्रदेश में पुरवा हवा चलेगी। इसकी वजह से बिहार में नमी बढ़ने और बारिश की की संभावना बढ़ सकती है।

छात्रा की आंखों में मिर्च डालकर मोबाइल छीना, पटना सिटी में कोचिंग से लौटते समय वारदात, दो बदमाश फरार

पटना। पटना सिटी के लंगूर गली के पास कोचिंग से घर लौट रही एक छात्रा को निशाना बनाकर दो बदमाशों ने उसका मोबाइल छीन लिया। बदमाशों ने छात्रा की आंखों में मिर्च पाउडर स्प्रे किया और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। घटना के बाद चैक थाना की पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। जानकारी के अनुसार, 19 नवंबर को छात्रा कोचिंग से घर लौट रही थी। इसी दौरान पहले से मौजूद दो बदमाशों ने लंगूर गली के पास उसे रोककर आंखों में मिर्च पाउडर स्प्रे कर दिया। छात्रा कुछ समझ पाती, इससे पहले बदमाश उसका मोबाइल छीनकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर चौक थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रा से पूछताछ की। पुलिस घटनास्थल के आसपास की गलियों और वहां लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच कर रही है। पटना सिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी शिव शंकर प्रसाद ने बताया कि बदमाशों ने स्प्रे का इस्तेमाल कर छात्रा का मोबाइल छीना और फरार हो गए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इलाके में पुलिस गश्ती बढ़ाने की मांग की है। उनका कहना है कि इस रास्ते से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं कोचिंग के लिए आते-जाते हैं। ऐसे में सुरक्षा के लिए नियमित पुलिस गश्ती जरूरी है।



बीपीएससी परीक्षा कैलेंडर जारी 33,320 शिक्षकों की बहाली

72वीं सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 17 जनवरी को, कई भर्तियों की परीक्षाओं, रिजल्ट की तारीखें घोषित

एजेंसी, पटना

बिहार में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खबर है। बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) ने आज 20 नवंबर 2026 को अपना नया परीक्षा कैलेंडर जारी किया है। इसमें TRE-4.0 के तहत 33,320 पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति से लेकर 72वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा (सिविल सेवा) तक की जानकारी दी गई है। कैलेंडर में 72वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा की तारीख 17 जनवरी 2027 निर्धारित की गई है। वहीं, TRE-4.0 की परीक्षा की तारीख फिलहाल तय नहीं की गई है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि कैलेंडर में दी गई सभी तिथियां संभावित हैं और इनमें बदलाव किया जा सकता है।



72वीं बीपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 17 जनवरी को: आयोग के कैलेंडर के मुताबिक, 72वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के तहत 1189 पदों पर नियुक्ति होनी है। इसके लिए प्रारंभिक परीक्षा 17 जनवरी 2027 को प्रस्तावित है। सके अलावा 33वीं बिहार न्यायिक सेवा परीक्षा के तहत 173 पदों पर नियुक्ति होनी है। इसकी परीक्षा की तारीख फिलहाल निर्धारित नहीं की गई है। प्रोजेक्ट मैनेजर और ऑडिटर समेत अन्य पदों की परीक्षाओं को भी कैलेंडर में शामिल किया गया है।

TRE-4.0 में 33,320 शिक्षकों की होगी बहाली: शिक्षक भर्ती की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए TRE-4.0 महत्वपूर्ण है। इसके तहत कुल 33,320 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। आयोग के कैलेंडर में इस भर्ती की प्रारंभिक परीक्षा की तारीख अभी TBD यानी तय नहीं की गई है। वहीं, सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी (AEDO) के 935 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया भी शामिल है। इसके लिए भी परीक्षा की तारीख घोषित नहीं हुई है।

कई परीक्षाओं के रिजल्ट और इंटरव्यू का भी जिक्र: कैलेंडर में 71वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के 1298 पदों का भी उल्लेख है। इसका प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट 6 नवंबर 2026 को प्रकाशित किया गया है। मुख्य परीक्षा 25 से 28 दिसंबर 2026 के बीच प्रस्तावित है। वहीं, 72वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के अलावा प्रॉसिक्यूशन ऑफिसर के 300 पदों की प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट 19 नवंबर को प्रकाशित किया गया है। आयोग ने कैलेंडर में विभिन्न विभागों के सहायक प्रोफेसर, फैक्ट्री इंस्पेक्टर, बॉयलर इंस्पेक्टर और अन्य पदों की चयन प्रक्रिया की स्थिति भी बताई है। अभ्यर्थियों को सलाह है कि परीक्षा की अंतिम तिथियों और बदलावों के लिए आयोग की आधिकारिक सूचना देखते रहें।

पटना में ड्राइवरों का जुटान बिहार विधानसभा का घेराव

एजेंसी, पटना

बिहार के निजी चालकों के कल्याण और अधिकारों की मांग को लेकर शुक्रवार को पटना के गांधी मैदान में राज्यभर के चालक जुटे। ड्राइवर एसोसिएशन ऑफ बिहार के बैनर तले गांधी मैदान से बिहार विधानसभा तक मार्च किया। चालक संघ के सलाहकार गौरव सिंह राठौर ने बताया कि दोपहर 12 बजे गांधी मैदान से मार्च निकाला गया। सभी चालक ने सबसे पहले जेपी गोलंबर पहुंचकर लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद मार्च बिहार विधानसभा की ओर बढ़ा। संगठन के मुताबिक, बिहार के सभी जिलों से करीब 3 से 4 हजार चालक पहुंचे हैं।



चालकों के लिए कल्याण योजना और बीमा की मांग: एसोसिएशन ने चालकों के कल्याण के लिए सरकार के सामने 10 प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें मुख्यमंत्री वाहन चालक कल्याण योजना लागू करने, चालकों के लिए बीमा और वेलफेयर फंड बनाने तथा उनके बच्चों को उच्च शिक्षा में आरक्षण देने की मांग शामिल है। इसके अलावा आवास योजना के तहत चालकों को 5 लाख रुपए देने और एक सितंबर को आधिकारिक तौर पर ड्राइवर दिवस घोषित करने की मांग भी की गई है।

गाड़ियों में कैमरे और अस्पतालों में बेड आरक्षित करने की मांग: संगठन ने वाहनों में आगे और पीछे रिकॉर्डिंग कैमरे लगाने की व्यवस्था करने की मांग उठाई है। इसके साथ ही सरकारी अस्पतालों के आईसीयू में चालकों के लिए बेड आरक्षित करने और सड़क दुर्घटना की स्थिति में बेहतर बीमा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की गई है।

नीट परीक्षा धांधली में बायोमेट्रिक कर्मी गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

बिहार में NEET UG परीक्षा में धांधली और फर्जीवाड़े के मामले में आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच के दौरान वांछित बायोमेट्रिक कर्मी संतोष कुमार को 19 नवंबर को गिरफ्तार किया गया है। वह वैशाली जिले के नगर थाना क्षेत्र के कटरा का रहने वाला है। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।



आधार एजेंटों और कॉमन सर्विस सेंटर संचालक करते मदद: EOU के अनुसार, NEET UG परीक्षा में असली अभ्यर्थी की जगह फर्जी परीक्षार्थी यानी स्कॉलर को बैठाया जाता था। इसके लिए मूल अभ्यर्थी और स्कॉलर के बीच पहले से सेटिंग की जाती थी। आधार एजेंटों और कॉमन सर्विस सेंटर संचालकों की मदद से बायोमेट्रिक डाटा में बदलाव और फोटो मिक्सिंग कराई जाती थी, ताकि परीक्षा केंद्र पर पहचान सत्यापन के दौरान फर्जीवाड़ा पकड़ा नहीं जा सके। इस काम के बदले प्रत्येक अभ्यर्थी से 12 से 30 लाख रुपये तक वसूले जाते थे। जांच में लखीसराय, हाजीपुर, नवादा और नालंदा समेत कई जिलों के बायोमेट्रिक वेंडरों की संलिप्तता सामने आई है।

गिरफ्तार संतोष ने पूछताछ में राहुल राज, रवि उर्फ रविशंकर सम्राट और अन्य लोगों के सहयोग से फर्जी परीक्षार्थियों का डाटा मैच कराने और परीक्षा के दिन फिंगरप्रिंट सत्यापन में हेराफेरी करने की बात स्वीकार की है। इस मामले में पहले ही डॉ. रविशंकर उर्फ सम्राट, डॉ. उज्ज्वल राज और अश्विनी कुमार को गिरफ्तार किया जा चुका है। EOU की जांच में NEET काउंसलिंग में फर्जी आय, जाति और दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाकर नामांकन कराने का मामला भी सामने आया है।

2 साल के बच्चे की पत्थर पर पटककर हत्या

एजेंसी, पटना

पटना में 2 साल के बच्चे की पत्थर पर पटककर हत्या की गई। बुधवार शाम को हुई इस वारदात के पीछे अंधविश्वास है। मृतक बच्चे के पिता ने अपने बड़े भाई और भाभी पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना से बाद से दोनों फरार हैं। आरोप है कि दो साल ऋषभ को उसकी बड़ी मां ने पीट-पीटकर बुरी तरह घायल कर दिया। बच्चे को गंभीर हालत में माता-पिता इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां से उसे पटना AIIMS रेफर कर दिया गया। AIIMS में इलाज के दौरान उसी दिन बच्चे की मौत हो गई। मृतक बच्चे की पहचान रिशु उर्फ ऋषभ कुमार पिता राहुल यादव के तौर पर हुई है। घटना पालीगंज थाना क्षेत्र के कसोपुर गांव की है। घटना के दो दिन बाद भी दोनो आरोपी फरार हैं। फिलहाल, पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।



घर में गहने चोरी हुए, ओझा-गुनी का लिया सहारा: पिता राहुल यादव ने बताया, कुछ साल पहले मेरे घर से गहने चोरी हुए थे। भाई-भाभी ने इस मामले में पुलिस से शिकायत करने की बजाए ओझा-गुनी से सलाह ली। भाई के मुताबिक, ओझा ने कहा था कि चोरी घर के ही किसी सदस्य ने की है। राहुल चार भाइयों में सबसे छोटे हैं। उनके मुताबिक, शुरुआत में परिवार के सबसे बड़े भाई और उनकी पत्नी पर गहने चोरी करने का शक जताया गया। बाद में तीसरे नंबर के भाई और उनकी पत्नी पर भी आरोप लगाए जाने लगे। किसी के पास से गहने नहीं मिले तो विवाद खत्म होने की बजाए बढ़ता चला गया। राहुल का आरोप है कि गहने नहीं मिले तो काफी समय से भाई-भाभी हमारे पीछे पड़े हुए थे। इसी बात को लेकर काफी दिनों से विवाद चल रहा था। घटना वाले दिन इसी बात को लेकर परिवार में कहासुनी और विवाद हुआ था।

- पिता बोले- जेवर चोरी और जादू-टोना के शक में मार डाला, आरोपी चाचा-चाची फरार

बच्चे को पटककर पीटने का लगाया आरोप: पिता राहुल ने आरोप लगाया कि विवाद बढ़ने पर जब वे घर पहुंचे तो उनकी भाभी ममता देवी बच्चे को पत्थर पर पटक पटक कर पीट रही थीं। इसके बाद वो घायल रिशु को पालीगंज अनुमंडल अस्पताल लेकर गए। आनन-फानन में घायल रिशु को पालीगंज अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए पटना AIIMS रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर पटना पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। जिस घर में पहले से गहने चोरी को लेकर विवाद चल रहा था, वहां बच्चे की मौत के बाद मातम पसर गया।

अंधविश्वास में मेरे बेटे को मार दिया- पिता: बेटे की मौत के बाद राहुल यादव ने पालीगंज थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने अपने बड़े भाई हरेन्द्र यादव और भाभी ममता देवी पर बच्चे की हत्या का आरोप लगाया है। पिता ने आरोपियों की गिरफ्तारी और अपने बेटे के लिए इंसाफ की मांग की है। उनका कहना है कि अंधविश्वास और चोरी के शक ने उनके परिवार को उजाड़ दिया।

घटना के बाद से आरोपी चाचा-चाची फरार: घटना के बाद गांव में लोगों की भीड़ जुट गई। राहुल ने अपने बड़े भाई हरेन्द्र यादव और भाभी ममता देवी पर हत्या का आरोप लगाया है। दोनों घटना के बाद से फरार बताए जा रहे हैं। मामला दर्ज हुए दो दिन हो चुके हैं, लेकिन अब तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है।

दो गोतिनियों के बीच विवाद का भी एंगल: पालीगंज डीएसपी-1 राजीव चंद्र सिंह ने बताया कि मृतक बच्चे के पिता राहुल यादव की ओर से थाने में आवेदन दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम लगाई गई है। डीएसपी के मुताबिक, शुरुआती जानकारी में घटना के पीछे दो गोतिनियों के बीच विवाद की बात सामने आई है। हालांकि, घटना की असली वजह क्या थी और बच्चे के साथ मारपीट किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा आरोपियों की गिरफ्तारी और पूछताछ के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बिहार कांग्रेस को मिले तीन नए एआईसीसी सचिव, प्रियंका गांधी की टीम में काम कर चुके प्रदीप को बिहार की जिम्मेदारी

एजेंसी, पटना

कांग्रेस ने बिहार संगठन में बड़ा फेरबदल किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष की मंजूरी के बाद पार्टी ने बिहार के प्रभारी सचिव को बदला है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने नई नियुक्तियों की सूची जारी की है। इसके तहत प्रदीप नरवाल, प्रो. प्रकाश सोनावने और महबूब पाशा को बिहार का AICC सचिव नियुक्त किया गया है। तीनों नेता अब बिहार में कांग्रेस के संगठनात्मक कार्यों और पार्टी की गतिविधियों की निगरानी करेंगे। प्रदीप नरवाल प्रियंका गांधी की टीम में काम कर चुके हैं।



बिहार कांग्रेस के दो नेताओं का राजनीतिक कद बढ़ा: संगठनात्मक बदलाव में बिहार कांग्रेस के नेताओं को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। बिहार कांग्रेस के दो नेताओं का राजनीतिक कद बढ़ाया गया है। बिहार के मीडिया विभाग के अध्यक्ष अजय कुमार पासवान को मध्य प्रदेश का प्रभारी सचिव बनाया गया है। वहीं, बिहार यूथ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गुंजन पटेल को पश्चिम बंगाल में संगठन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों नेता अब अपने-अपने राज्यों में कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने और पार्टी के कार्यक्रमों की निगरानी करेंगे।

तीनों नए सचिव संगठनात्मक कामकाज की देखरेख करेंगे: कांग्रेस की ओर से जारी आदेश के अनुसार सभी नई नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। पार्टी ने बिहार समेत कई अन्य राज्यों में भी एआईसीसी सचिवों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया है। इस फेरबदल को आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बिहार में नियुक्त किए गए तीनों नए सचिव प्रदेश कांग्रेस के संगठनात्मक कामकाज की देखरेख करेंगे।

प्रदीप नरवाल को दलित नेतृत्व के प्रमुख चेहरों में गिना जाता: प्रदीप नरवाल कांग्रेस के युवा नेताओं में शामिल हैं और पार्टी में उन्हें दलित नेतृत्व के प्रमुख चेहरों में गिना जाता है। उनका जन्म जून 1991 में हरियाणा के सोनीपत में हुआ था। नरवाल ने JNU में छात्र राजनीति के दौरान सक्रिय भूमिका निभाई थी। शुरुआत में ABVP से जुड़कर JNU की राजनीति में काम किया और वहां संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी भी संभाली। 2016 के बाद उन्होंने ABVP छोड़ दी और कांग्रेस में शामिल हो गए। वे अंबेडकरवादी कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते हैं और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के साथ उनके करीबी संबंध बताए जाते हैं।

प्रियंका गांधी की टीम में रह चुके हैं नरवाल: प्रदीप नरवाल उत्तर प्रदेश में प्रियंका गांधी की टीम में काम कर चुके हैं। 2021 में कांग्रेस ने उन्हें AICC का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया था। उत्तर प्रदेश में प्रियंका गांधी के साथ सह-प्रभारी की जिम्मेदारी दी थी। उस समय वे पार्टी के सबसे कम उम्र के राष्ट्रीय सचिवों में शामिल थे। 2024 में कांग्रेस ने उन्हें हरियाणा की बवानी खेड़ा विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा। यह सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। उन्हें पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व, विशेषकर प्रियंका गांधी की टीम के करीबी युवा दलित चेहरे के रूप में देखा गया। हालांकि, वे चुनाव हार गए थे।

पीयू में जॉब उत्सव का आयोजन, 130 विद्यार्थियों को मिला ऑफर लेटर

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी में आज जॉब उत्सव का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के काउंसलिंग, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के द्वारा आयोजित इस प्लेसमेंट ड्राइव में करीब 130 विद्यार्थियों को मौके पर ही ऑफर लेटर दिया गया। जय प्रकाश नारायण अनुषद भवन में आयोजित इस रोजगार उत्सव में करीब 14 प्रतिष्ठित कंपनियों की एचआर टीमों ने हिस्सा लिया।



जॉब उत्सव में महिंद्रा, टाटा के साथ बंधन बैंक, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज, एक्सिस सिक्योरिटीज, आरबीएल फिनसर्व, जेनपैक्ट, उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक, मुथूट फाइनेंस, ब्लिंकिट, जुडियो और सोडेक्सो समेत कई कंपनियों के प्रतिनिधि पहुंचे। स्नातक और अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के साथ 2025 बैच के स्नातकों को भी इसमें शामिल होने का अवसर दिया गया। आयोजन के दौरान चयनित करीब 130 विद्यार्थियों को कंपनियों की ओर से ऑफर लेटर प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, यह आयोजन विद्यार्थियों को पढ़ाई पूरी करने के बाद रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जॉब उत्सव के लिए विद्यार्थियों को अद्यतन बायोडाटा और चार रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो के साथ पहुंचने के निर्देश दिए गए थे। पटना विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष शांतनु शेखर ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव के दौरान विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय में रोजगार के अवसर बढ़ाने का वादा किया गया था।

आज से बिहार मेडिकल एक्सपो होगा शुरू, 1000+ मेडिकल उत्पादों की प्रदर्शनी

एजेंसी, पटना

पटना के ज्ञान भवन में 21 से 23 नवंबर तक पांचवां बिहार मेडिकल एक्सपो आयोजित होगा। तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में देशभर की 100 से अधिक कंपनियां हिस्सा लेंगी। यहां मेडिकल, सर्जिकल, डायग्नोस्टिक और लैबोरेटरी से जुड़े 1 हजार से ज्यादा उत्पादों और उपकरणों का प्रदर्शन किया जाएगा। एक्सपो में विशेषज्ञ अपने अनुभव भी साझा करेंगे। आयोजकों को बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश सहित आसपास के राज्यों से 7 हजार से अधिक विजिटर्स के पहुंचने की उम्मीद है। एक्सपो में कंपनियां अपने उत्पादों की तकनीक, उपयोग और विशेषताओं की जानकारी देंगी। इससे अस्पताल संचालकों, डॉक्टरों, मेडिकल संस्थानों और उपकरण खरीदने वालों को आधुनिक तकनीक और नए उत्पादों को करीब से देखने का मौका मिलेगा।

मेडिकल कंपनियों और स्वास्थ्य संस्थानों को मिलेगा साझा मंच: स्टार एग्जिबिशन्स के मैनेजिंग डायरेक्टर जाकीर अहमद खान ने बताया कि बिहार मेडिकल एक्सपो लगातार पांच वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य मेडिकल उपकरण निर्माता कंपनियों, सप्लायर्स, हेल्थकेयर कंपनियों और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों को एक मंच पर लाना है। उन्होंने कहा कि बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हो रहा है। ऐसे में अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों को आधुनिक मेडिकल उपकरणों की जरूरत है। एक्सपो के माध्यम से देशभर में उपलब्ध नवीनतम मेडिकल तकनीक और उपकरणों को बिहार के स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इससे मेडिकल क्षेत्र में कारोबार के नए अवसर भी पैदा होंगे।



आधुनिक उपकरणों से मरीजों को भी होगा फायदा: मेडिकल एक्सपो की आयोजक नयाब ने बताया कि इसमें देश के अलग-अलग राज्यों की 100 से अधिक कंपनियां अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगी। मेडिकल, सर्जिकल, डायग्नोस्टिक्स और लैबोरेटरी से जुड़े उपकरणों की जानकारी दी जाएगी। इससे बिहार के हेल्थकेयर सेक्टर को नई दिशा मिलेगी।

एम्स, IGIMS और PMCH के डॉक्टर देंगे व्याख्यान: मेडिकल एक्सपो में सिर्फ उपकरणों की प्रदर्शनी ही नहीं होगी, बल्कि चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों के बीच ज्ञान और अनुभव का आदान-प्रदान भी होगा। इसके लिए डॉक्टरों, अस्पताल संचालकों और मेडिकल प्रोफेशनल्स के लिए विशेष सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। इन सेमिनारों में एम्स पटना, आईजीआईएमएस, पीएमसीएच सहित अन्य सरकारी और निजी अस्पतालों के जाने-माने चिकित्सक एवं विशेषज्ञ शामिल होंगे। वे अपने-अपने क्षेत्र के अनुभव और चिकित्सा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा करेंगे। इससे मेडिकल प्रोफेशनल्स को नई तकनीक, आधुनिक उपकरणों और स्वास्थ्य सेवाओं में हो रहे बदलावों की जानकारी मिलेगी।

डॉक्टरों से लेकर मेडिकल छात्रों तक को आमंत्रण: आयोजकों ने इस एक्सपो में डॉक्टरों, हॉस्पिटल संचालकों, मेडिकल प्रोफेशनल्स, डायग्नोस्टिक सेंटर संचालकों, मेडिकल छात्रों, मेडिकल उपकरणों के खरीदारों, डीलर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स को आमंत्रित किया है। तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में कंपनियों और खरीदारों के बीच सीधे संवाद और व्यापारिक संभावनाओं को बढ़ावा मिलेगा। सभी व्यापारिक विजिटर्स के लिए एक्सपो में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। आयोजकों का मानना है कि इस आयोजन से मेडिकल उपकरणों के कारोबार को बढ़ावा मिलने के साथ बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने में भी मदद मिलेगी। आयोजन समिति के सदस्यों के अनुसार, बिहार मेडिकल एक्सपो स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आधुनिक तकनीक, नए उत्पादों और व्यावसायिक संभावनाओं को समझने का बेहतर मंच साबित होगा।

आरसीएच 2.0 और जननी पोर्टल पर कार्यशाला आयोजित

आशा और एएनएम को भी मिलेगा प्रशिक्षण, सही डाटा एंट्री से सुधरेगी जिले की रैंकिंग



बीएनएम @ सीतामढ़ी

जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी अब डिजिटल माध्यम से की जाएगी। गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण से लेकर प्रसव, टीकाकरण और प्रसव के बाद मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की रियल टाइम मॉनिटरिंग होगी। इसके लिए शुक्रवार को सदर अस्पताल परिसर स्थित मॉडल अस्पताल में एचएमआईएस, आरसीएच 2.0 एवं जननी पोर्टल पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण-सह-उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. रवीन्द्र कुमार यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रशिक्षण में जिले के सभी 17 प्रखंडों के स्वास्थ्य अधिकारी और कर्मी शामिल हुए। उद्घाटन सत्र में सिविल सर्जन ने कहा कि जननी 2.0 मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी के लिए एकीकृत डिजिटल प्रणाली है। इसके माध्यम से गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण से लेकर प्रसव, टीकाकरण और प्रसवोत्तर देखभाल तक की जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी। इससे स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर निगरानी रखी जा सकेगी। उन्होंने कहा कि जिले की स्वास्थ्य रैंकिंग में सुधार के लिए सही और समय पर डाटा की एंट्री जरूरी है। सभी प्रखंडों को डाटा की गुणवत्ता बनाए रखने और शत-प्रतिशत रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

पोर्टल पर डाटा एंट्री की दी गई जानकारी-अरमान फाउंडेशन और पीरामल फाउंडेशन की टीम ने प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न पोर्टल के तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी। एचएमआईएस पोर्टल पर मासिक स्वास्थ्य रिपोर्ट की सही प्रविष्टि, डाटा वैलिडेशन और तकनीकी गड़बड़ियों को दूर करने के तरीके बताए गए। वहीं आरसीएच 2.0 एवं जननी ऐप के माध्यम से गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण, प्रसव पूर्व जांच, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान और संस्थागत प्रसव से संबंधित जानकारी दर्ज करने का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा नवजात शिशुओं के टीकाकरण, जन्म पंजीकरण और फॉलोअप की ऑनलाइन निगरानी के बारे में भी बताया गया। डुप्लीकेट एंट्री से बचने और डाटा की गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

आशा और एएनएम का काम होगा आसान-जिला निगरानी एवं मूल्यांकन पदाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि नई व्यवस्था में विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का डाटा एक ही पोर्टल से जुड़ जाएगा। इससे एक ही लाभार्थी का विवरण बार-बार दर्ज करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसका फायदा यह होगा कि जमीनी स्तर पर काम करने वाली आशा और एएनएम का कार्यभार कम होगा। साथ ही लाभार्थियों को सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ समय पर मिल सकेगा। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने जननी ऐप पर लाइव डेमो के जरिए व्यावहारिक अभ्यास भी किया। कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों को अपने-अपने प्रखंडों में जाकर आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम और डाटा ऑपरेटरों को प्रशिक्षित करने का निर्देश दिया गया, ताकि नई व्यवस्था को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। मौके पर जिले के सभी 17 प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक, प्रखंड सामुदायिक मोबिलाइजर और प्रखंड निगरानी एवं मूल्यांकन सहायक मौजूद थे।

आगामी 25-26 दिसंबर को अखिल भारतीय भूमिहार ब्राह्मण महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की होगी बैठक

देशभर के भूमिहार संगठनों को एक मंच पर लाने की होगी पहल, नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी का भी होगा गठन

बीएनएम @ मोतिहारी



अखिल भारतीय भूमिहार ब्राह्मण महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक आगामी 25 एवं 26 दिसंबर 2026 को मोतिहारी शहर में आयोजित होगी। इसकी जानकारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष कुमार शेखर ने शुक्रवार को मोतिहारी स्थित परम पूज्य नरसिंह बाबा आश्रम हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। श्री शेखर ने बताया कि इस दो दिवसीय राष्ट्रीय बैठक में महासंघ की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। साथ ही देशभर के विभिन्न राज्यों में सक्रिय भूमिहार संगठनों को एक साझा मंच पर लाने की दिशा में ठोस पहल की जाएगी। भूमिहार ब्राह्मण समाज को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और योजनाओं पर भी विचार-विमर्श कर निर्णय लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से ब्रह्मर्षि समाज के प्रतिनिधि शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि चंपारण की धरती के लिए यह गौरव का विषय है कि देश के विभिन्न क्षेत्रों से समाज के प्रतिनिधि यहां एकत्रित होंगे। श्री शेखर ने कहा कि भूमिहार ब्राह्मण समाज ने सदैव कृषि और शिक्षा के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समाज ने सभी जातियों एवं वर्गों के विकास का मार्ग प्रशस्त करने में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार सहित पूरे देश के सर्वांगीण विकास में सकारात्मक योगदान देने के लिए भूमिहार ब्राह्मण समाज का संगठित एवं रचनात्मक प्रयास आवश्यक है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह भी बताया कि बैठक को सफल एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए जिले के प्रबुद्ध नागरिकों और सक्रिय युवाओं की एक विशेष आयोजन समिति का शीघ्र गठन किया जाएगा। इसके माध्यम से बैठक की तैयारियों को गति दी जाएगी और विभिन्न स्तरों पर जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। उक्त बैठक में रत्नेश्वरी शर्मा, मुरारी पाण्डेय, ललन शुक्ला, कुंदन शुक्ला, प्रेम प्रकाश सिंह, हिमांशु भूषण सिंह, अरविंद कुमार ठाकुर, प्रेम नारायण सिंह, विकास तिवारी, अरुण कुमार सिंह, महेश्वर पाण्डेय, अंशुमान अधिवक्ता, हर्ष कुमार, राजेश्वर राय एवं प्रशांत चौधुर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हत्या के प्रयास के दो मामलों में पांच समेत छह आरोपित गिरफ्तार



बीएनएम @ मोतिहारी/हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना पुलिस ने विभिन्न मामलों में छापेमारी कर हत्या के प्रयास के दो अलग-अलग मामलों में पांच आरोपितों समेत उत्पाद कांड के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सभी छह आरोपितों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि हरसिद्धि थाना कांड संख्या 549/26, दिनांक 19 नवंबर 2026 में हत्या के प्रयास के प्राथमिक अभियुक्त मटियरिया निजामत निवासी उज्ज्वल ठाकुर, पिता उमाशंकर ठाकुर को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, हरसिद्धि थाना कांड संख्या 550/26, दिनांक 19 नवंबर 2026 में हत्या के प्रयास के मामले में पड़रिया गांव निवासी पप्पू प्रसाद, मंटू प्रसाद एवं संदीप कुमार (तीनों पिता राजेंद्र प्रसाद) तथा मनकेश्वर प्रसाद, पिता बसावन प्रसाद को गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि इसके अलावा हरसिद्धि थाना कांड संख्या 556/26 के उत्पाद मामले में रानीछपरा गांव निवासी विकास कुमार, पिता हरिलाल महतो को गिरफ्तार किया गया है। सभी छह आरोपितों को न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए भेजा जा रहा है।

अब क्यू.आर कोड स्कैन करते ही करें अवैध शराब के कारोबार की शिकायत, पहचान रहेगी गुप्त

» मद्यनिषेध विभाग की नई पहल, शिक्षण संस्थानों, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए क्यू.आर कोड

बीएनएम @ मोतिहारी



जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री, भंडारण और तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए मद्यनिषेध विभाग ने एक नई पहल शुरू की है। अब आम नागरिक महज क्यू आर कोड स्कैन कर शराब के अवैध कारोबार से जुड़ी शिकायत गुप्त रूप से विभाग तक पहुंचा सकेंगे। इस सुविधा से लोगों को अपनी पहचान उजागर किए बिना अवैध शराब के धंधे की सूचना देने का अवसर मिलेगा। विभाग की इस पहल का मुख्य उद्देश्य अवैध शराब के कारोबार पर लगाम लगाने के साथ-साथ इस अभियान में आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। क्यू.आर कोड स्कैन कर लोग अपने आसपास होने वाले अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, बिक्री और परिवहन से संबंधित जानकारी विभाग को दे सकेंगे। विभाग का मानना है कि इस व्यवस्था से शिकायतकर्ताओं की पहचान गोपनीय रखने में मदद मिलेगी। वहीं, प्राप्त सूचनाओं के आधार पर मद्यनिषेध विभाग की टीम त्वरित कार्रवाई कर सकेगी। इस सुविधा को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर क्यू आर कोड लगाए गए हैं। मद्यनिषेध विभाग, पूर्वी चम्पारण के सहायक आयुक्त ओम प्रकाश ने आम नागरिकों से इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के लिए जनसहयोग बेहद जरूरी है। लोग अपने आसपास ऐसी किसी भी गतिविधि की जानकारी क्यू. आर कोड के माध्यम से विभाग तक पहुंचाएं और नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

हार्डवेयर दुकान में गांजा का अवैध धंधा: पुलिस की रेड में 24 ग्राम गांजा बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार



बीएनएम @ शिवहर

जिले में मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस लगातार अभियान चला रही है। पुलिस अधीक्षक मो. मोहिबुल्लाह अंसारी के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान के तहत श्यामपुर भटहां थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नया गांव बाजार स्थित एक हार्डवेयर दुकान में अवैध रूप से गांजा की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने नया गांव बाजार स्थित उक्त हार्डवेयर दुकान पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान दुकान की तलाशी लेने पर कुल 24 ग्राम गांजा बरामद किया गया। इस कार्रवाई में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जबकि एक विधि-विरुद्ध बालक को निरुद्ध किया गया। उक्त मामले की जानकारी एसडीपीओ अनुशील कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

पैगाम-ए-आजाद कॉन्फ्रेंस की तैयारियां तेज, 20 हजार से अधिक लोगों के जुटने की उम्मीद

» वाहनों की पार्किंग के लिए प्रशासन ने तय किए अलग-अलग स्थल, वीआईपी वाहनों की पार्किंग जिला स्कूल में होगी

बीएनएम @ मोतिहारी



कल रविवार 22 नवंबर को आयोजित होने वाली पैगाम-ए-आजाद कॉन्फ्रेंस की तैयारियों को लेकर कार्यक्रम स्थल पर आयोजन समिति के सदस्यों और जिला प्रशासन के अधिकारियों की संयुक्त बैठक शुक्रवार को हुई। उक्त बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करने के साथ ही सुरक्षा, यातायात और पार्किंग व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिला प्रशासन की ओर से सदर एसडीओ अरुण कुमार, सदर एसडीपीओ दिलीप कुमार और नगर थानाध्यक्ष समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले लोगों के वाहनों की पार्किंग के लिए अलग-अलग स्थान निर्धारित किए गए हैं। पिपरा, चकिया, मेहसी, कोटवा और केसरिया की ओर से आने वाले बड़े वाहनों के लिए गांधी मैदान में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। वहीं, बंजरिया, सुगौली, रामगढ़वा, रक्सौल, आदापुर और छौड़ादानो की ओर से आने वाले बड़े वाहनों को एमएस कॉलेज ग्राउंड में पार्क कराया जाएगा। छोटे वाहनों के लिए नरसिंह बाबा मठ परिसर को चिह्नित किया गया है, जबकि वीआईपी वाहनों की पार्किंग जिला स्कूल परिसर में होगी। कार्यक्रम में शामिल होने आने वाले लोगों को राहत देने के उद्देश्य से पिपरा और सुगौली टोल प्लाजा को निर्देश दिया गया है कि कॉन्फ्रेंस में शामिल होने वाले वाहनों से टोल टैक्स की वसूली नहीं की जाए। वहीं, कार्यक्रम में 20 हजार से अधिक लोगों के जुटने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने का निर्णय लिया गया। शहर की यातायात व्यवस्था को प्रभावित किए बिना लोगों को सभा स्थल तक पहुंचाने के लिए भी विशेष रणनीति तैयार की गई। इस मौके पर एमएलसी डॉ. खालिद अनवर ने कहा कि पैगाम-ए-आजाद कॉन्फ्रेंस एक ऐतिहासिक कार्यक्रम साबित होगा। देश और दुनिया की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए महात्मा गांधी, मौलाना अबुल कलाम आजाद सहित अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के विचारों से नई पीढ़ी को अवगत कराना समय की महत्वपूर्ण जरूरत है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को लेकर लोगों में काफी उत्साह है। महात्मा गांधी और मौलाना आजाद के विचारों से प्रभावित बड़ी संख्या में लोग इस कॉन्फ्रेंस में शिरकत करेंगे। बैठक में डॉ. खालिद अनवर के अलावा डॉ. परवेज अजीज, बीजेपी नेता अब्दुल रहमान, जिला अवकाफ कमेटी के चेयरमैन सैय्यद मोबीन अहमद, डॉ. खुर्शीद अजीज, डॉ. अब्दुल खबीर, ईदारा अदब इस्लामी के अध्यक्ष सोहेल साहिल, दानिश खान, डॉ. अकील अहमद, अकरम राही, हिफजुर रहमान और युवा उद्योगपति डॉ. मो. इब्राहीम सहित आयोजन समिति के कई अन्य सदस्य मौजूद थे।

भारत-नेपाल सीमा पर 747 बोतल नेपाली शराब जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ छौड़ादानों



भारत-नेपाल सीमा पर शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 71वीं वाहिनी, बरहरवा के जवानों ने उत्पाद विभाग की टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए शराब की बड़ी खेप बरामद की है। इस दौरान एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका एक अन्य साथी नेपाल सीमा में प्रवेश कर फरार हो गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान धीरज कुमार, पिता प्रेम राम, ग्राम अगरवा, पोस्ट बिजली, थाना जितना के निवासी के रूप में हुई है। संयुक्त टीम ने कार्रवाई के दौरान मौके से दो ग्लैमर मोटरसाइकिल और नेपाली शराब की कुल 747 बोतलें बरामद कीं। कार्रवाई के बाद गिरफ्तार आरोपी, जब्त शराब और दोनों मोटरसाइकिलों को आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए उत्पाद विभाग, मोतिहारी को सौंप दिया गया है। मामले में उत्पाद विभाग की ओर से अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सीमा क्षेत्र में शराब तस्करी के खिलाफ एसएसबी और उत्पाद विभाग की संयुक्त कार्रवाई से तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है। अधिकारियों ने सीमा क्षेत्र में तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने के लिए अभियान जारी रखने की बात कही है।

जमीन के दाखिल-खारिज के नाम पर आठ हजार रुपये रिश्वत लेते निजी दलाल गिरफ्तार

बीएनएम @ राकेश कुमार



पूर्वी चंपारण में जमीन के परिमार्जन एवं दाखिल-खारिज के नाम पर रिश्वत मांगने के मामले में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने छापेमारी कर एक निजी दलाल को आठ हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान छतौनी थाना क्षेत्र के मठिया मोहल्ला वार्ड संख्या-11 निवासी स्व. लाल बाबू साह के पुत्र श्याम कुमार के रूप में हुई है। निगरानी ब्यूरो की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मोतिहारी के आदापुर थाना क्षेत्र के गम्हरिया खुर्द निवासी रूपेश शर्मा ने निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि राजस्व कर्मचारी प्रभात कुमार एवं उनके निजी दलाल श्याम कुमार द्वारा जमीन का परिमार्जन और दाखिल-खारिज कराने के एवज में रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत के सत्यापन में रिश्वत मांगने का प्रमाण मिलने के बाद निगरानी ब्यूरो ने कांड संख्या 134/26, दिनांक 18 नवंबर 2026 दर्ज किया। इसके बाद पुलिस उपाधीक्षक रंजीत कुमार निराला के नेतृत्व में धावादल का गठन किया गया। टीम ने 19 नवंबर को छतौनी स्थित आर्य समाज मंदिर के पास सड़क किनारे आठ हजार रुपये रिश्वत लेते श्याम कुमार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ के बाद उसे विशेष न्यायालय, निगरानी, मुजफ्फरपुर में प्रस्तुत किया जाएगा। मामले में आगे की अनुसंधानात्मक कार्रवाई जारी है।

121 आरोपित गिरफ्तार-निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक भ्रष्टाचार के विरुद्ध 134 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इनमें एक कांड दूसरे जिले से स्थानांतरित होकर आया है। कुल 135 कांडों का अनुसंधान किया जा रहा है। इनमें 122 ट्रैप संबंधी कांड हैं, जिनमें अब तक 121 आरोपितों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया है। रिश्वत के रूप में कुल 45 लाख 68 हजार 400 रुपये बरामद किए गए हैं। इसके अलावा 37 हजार रुपये मूल्य की एक नई वाशिंग मशीन भी जब्त की गई है। वहीं, वर्ष 2025 में कुल 101 ट्रैप कांड दर्ज किए गए थे। इनमें 37 लाख 80 हजार 300 रुपये रिश्वत की राशि बरामद हुई थी तथा 19 हजार 800 रुपये मूल्य की एक वाशिंग मशीन जब्त की गई थी।

इस वर्ष 122 ट्रैप कांडों में

गैराज और वर्कशॉप में करा रहे थे बाल मजदूरी, सात बच्चे मुक्त

» ढाका और घोड़ासहन के पांच प्रतिष्ठानों में चला विशेष छापेमारी अभियान, संचालकों पर प्राथमिकी की तैयारी

बीएनएम @ मोतिहारी



बाल श्रम के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को जिला के ढाका और घोड़ासहन प्रखंड में विशेष धावा दल ने सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान पांच प्रतिष्ठानों से कुल सात बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया। सभी बच्चों को बाल कल्याण समिति, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के समक्ष प्रस्तुत करने के बाद बाल गृह में रखा गया है। श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग, बिहार के निर्देश पर श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, ढाका एवं घोड़ासहन के नेतृत्व में गठित विशेष धावा दल ने विभिन्न प्रतिष्ठानों में छापेमारी की। जांच के दौरान घोड़ासहन स्थित नीरज ऑटो रिपेयरिंग सेंटर, आरके मोटरसाइकिल वर्कशॉप तथा ढाका स्थित राजनंदनी राजलक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्कशॉप से एक-एक बाल श्रमिक को मुक्त कराया गया। वहीं, घोड़ासहन के बालाजी ऑटो और ढाका के मुमताज आलम रिपेयरिंग सेंटर से दो-दो बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया। श्रम अधीक्षक सत्य प्रकाश ने बताया कि बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत सभी संबंधित नियोजकों के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों से प्रतिष्ठानों में काम कराना गैरकानूनी है। इस कानून के तहत दोषी नियोजकों को 20 हजार से 50 हजार रुपये तक जुर्माना और दो वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। इसके अलावा सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के आलोक में प्रत्येक बाल श्रमिक के लिए नियोजक से 20 हजार रुपये की राशि भी वसूल की जाएगी। श्रम अधीक्षक ने कहा कि पूर्वी चंपारण जिले में बाल श्रम के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले प्रतिष्ठान संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। विशेष धावा दल में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, तुरकौलिया (प्रभारी ढाका), श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, घोड़ासहन एवं पकड़ीदयाल के अलावा प्रयास संस्था और ग्राम नियोजन केंद्र के प्रतिनिधि शामिल थे। अभियान में पुलिस लाइन के छह जवानों तथा एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम ने भी सहयोग किया।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक्टर की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

बीएनएम @ बेतिया। बैरिया के सिंघाई घाट पर शुक्रवार की शाम ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम करीब सात बजे एक ट्रैक्टर नदी पार कर रहा था। इसी दौरान नदी किनारे नाव की रस्सी बांधने के लिए बैठे बुजुर्ग को ट्रैक्टर चालक ने टक्कर मार दी। हादसा इतना



गंभीर था कि बुजुर्ग की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। बुजुर्ग की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। वहीं, हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने नदी घाट पर वाहनों की आवाजाही और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं।

जरासंध जयंती पर वीरता को किया याद



बीएनएम @ केसरिया। प्रखंड क्षेत्र के बैरिया में पंचायत समिति सदस्य नितेश कुमार चंद्रवंशी के आवास पर महान मगध नरेश जरासंध की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में उनके जीवन, शौर्य, पराक्रम और ऐतिहासिक योगदान पर चर्चा की गई। नितेश कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि महाराज जरासंध का जीवन साहस, वीरता और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। उनकी ऐतिहासिक विरासत से समाज और नई पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। मौके पर उमेश राउत चंद्रवंशी, कृष्णा चंद्रवंशी, रंजीत चंद्रवंशी, मुकेश चंद्रवंशी, दरोगा चंद्रवंशी, अमित चंद्रवंशी, योगेंद्र चंद्रवंशी, परमेश्वर राउत चंद्रवंशी एवं अमरनाथ चंद्रवंशी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बगहा में 14 वारंट निष्पादित, कई आरोपित गिरफ्तार

बीएनएम @ बगहा। अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर बगहा पुलिस जिले में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में कुल 14 वारंट का निष्पादन किया गया तथा कई आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। उन्होंने बताया कि बगहा थाना पुलिस ने गुड्डू राम, आकाश कुमार और सुनील कुमार को विभिन्न कांडों में गिरफ्तार किया। वहीं, लौकरिया थाना पुलिस ने अमित शर्मा, प्रदेशी मांझी और वारंट के आधार पर कौशल राम को गिरफ्तार किया। चौतरवा थाना पुलिस ने वारंटी मिथलेश कुमार यादव तथा सेमरा थाना पुलिस ने जयश्री सहनी को गिरफ्तार किया। जयश्री सहनी को रिकॉल के आधार पर मुक्त कर दिया गया। रामनगर थाना पुलिस ने शेख नाजीर, भितहां थाना पुलिस ने हरेराम यादव और प्रमोद चौधरी तथा गोबर्धना थाना पुलिस ने सूरज राम को गिरफ्तार किया। एसपी ने बताया कि यातायात नियमों के अनुपालन को लेकर चलाए गए वाहन जांच अभियान में कुल 407 वाहनों की जांच की गई। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से 96 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया।

14 लीटर शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ केसरिया। स्थानीय पुलिस ने गुरुवार को दिलावरपुर गैस एजेंसी के गोदाम के समीप छापेमारी कर दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 14 लीटर शराब और एक बाइक जब्त की है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान कल्याणपुर थाना क्षेत्र के पकड़ी दीक्षित निवासी बिट्टू कुमार और गुलशन कुमार के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में मोतिहारी भेज दिया गया।

लापता युवक हाजीपुर में बेसुध हालत में मिला

बीएनएम @ कांटी (मुजफ्फरपुर)। थाना क्षेत्र से लापता रवि रौशन उर्फ कुंदन बीती रात हाजीपुर में सड़क किनारे बेसुध हालत में मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर रिश्तेदारों ने उसे हाजीपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। परिजनों के अनुसार, उसकी हालत में सुधार हो रहा है। हालांकि, बेहोशी की स्थिति में होने के कारण घटना के संबंध में जानकारी नहीं मिल सकी है। युवक की बाइक, लैपटॉप, मोबाइल समेत अन्य सामान गायब हैं। शनिवार को स्थानीय पुलिस युवक का बयान दर्ज कर मामले का खुलासा कर सकती है। मालूम हो कि मुस्तफापुर निवासी रवि रौशन बुधवार को शहर से बकाया रुपये लेने कांटी आए थे। पत्नी कुमारी निशा से बातचीत के बाद उनका मोबाइल बंद हो गया था। काफी खोजबीन के बाद मोबाइल का अंतिम लोकेशन छपरा स्थित अमरदीप पेट्रोल पंप के पास मिला था। पत्नी ने गुरुवार को कांटी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। स्वजन ने युवक के मिलने की सूचना कांटी पुलिस को दे दी है।

वायरल वीडियो मामले में तीन युवक गिरफ्तार

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर। बोचहां थाना क्षेत्र में युवती के साथ छेड़छाड़ और उसके साथ मौजूद युवक से मारपीट के मामले में पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय से 20 नवंबर 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 19 नवंबर को घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में एक युवक युवती के साथ अभद्र व्यवहार और छेड़छाड़ करता दिख रहा था, जबकि उसके साथ मौजूद युवक के साथ मारपीट की जा रही थी। एक अन्य युवक ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया था। डीएसपी पूर्वी अलय वत्स ने बताया कि वायरल वीडियो का सत्यापन कर चौकीदार की मदद से आरोपितों की पहचान की गई। इसके बाद छापेमारी कर अनुराग कुमार, विशाल कुमार और उज्ज्वल कुमार को गिरफ्तार किया गया। तीनों बोचहां थाना क्षेत्र के निवासी हैं। मामले में बोचहां थाना कांड संख्या 339/26 दर्ज किया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

अज्ञात वाहन की ठोकर से महिला की मौत, पति गंभीर

बीएनएम @ कांटी (मुजफ्फरपुर)। कांटी थाना क्षेत्र के किशुनगर के समीप फोरलेन एनएच-27 पर शुक्रवार देर शाम अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतका की पहचान सरैया थाना क्षेत्र के गोपालपुर नेउरा निवासी मो. कयूम अंसारी की पत्नी जहांप्रवीण के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मो. कयूम अंसारी पत्नी के साथ बाइक से पानापुर ओपी क्षेत्र के प्रसाद गांव स्थित रिश्तेदार के घर एक समारोह में शामिल होने जा रहे थे। गंतव्य से करीब एक किलोमीटर पहले किशुनगर के समीप अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार ठोकर मार दी। हादसे में दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां महिला की मौत हो गई। घटना के बाद फोरलेन के दक्षिणी लेन में काफी देर तक जाम लगा रहा। सूचना पर थानाध्यक्ष रविकांत पाठक पुलिस बल के साथ पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर यातायात सामान्य कराया।

मारपीट मामले में आरोपित गिरफ्तार, जेल भेजा

बीएनएम @ सकरा (मुजफ्फरपुर)। सकरा थाना क्षेत्र के मिश्रौलिया गांव में तीन दिन पूर्व हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने आरोपित दीपू कुमार को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही थी। इसी क्रम में शुक्रवार को मिश्रौलिया निवासी दीपू कुमार को गिरफ्तार किया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

सिसहनी के लक्ष्मीनारायण घाट पर 501 कन्याओं की कलश यात्रा से छह दिवसीय यज्ञ का शुभारंभ

बीएनएम @ पकड़ीदयाल



कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर पकड़ीदयाल प्रखंड की सिसहनी पंचायत स्थित ऐतिहासिक लक्ष्मीनारायण घाट पर आस्था, भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। यहां आयोजित छह दिवसीय धार्मिक यज्ञ का शुभारंभ 501 कन्याओं की भव्य कलश शोभायात्रा के साथ हुआ। पारंपरिक रीति-रिवाजों और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच निकली इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरा क्षेत्र 'जय श्रीराम' और अन्य धार्मिक जयकारों से गुंजायमान हो उठा। सिसहनी के लक्ष्मीनारायण घाट पर आयोजित होने वाला यह धार्मिक यज्ञ केवल एक वार्षिक आयोजन नहीं, बल्कि छह दशक से अधिक पुरानी आस्था और परंपरा का प्रतीक है। पिछले 63 वर्षों से निरंतर चली आ रही इस धार्मिक परंपरा ने क्षेत्र में विशेष पहचान स्थापित की है। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर यहां गंगा स्नान और धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होने के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा के प्रति लोगों की अटूट श्रद्धा ही इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता है। छह दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में पूजा-पाठ, यज्ञ, वैदिक अनुष्ठान और आध्यात्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों की भी विशेष व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं और मेले में पहुंचने वाले लोगों के मनोरंजन के लिए टावर झूला, ब्रेक डांस सहित विभिन्न आकर्षक झूले लगाए गए हैं। वहीं, रंग-बिरंगे खेल-खिलौनों और अन्य सामानों की दुकानें मेले की रौनक बढ़ा रही हैं। बच्चों से लेकर युवाओं और बुजुर्गों तक में इस आयोजन को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। यज्ञाचार्य श्री भगवान तिवारी के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जा रहे हैं। वहीं, संत श्री श्री 108 चक्र सुदर्शन जी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। यज्ञ के मुख्य यजमान वीरेंद्र साह अपनी धर्मपत्नी के साथ पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता निभा रहे है। कुल मिलाकर, इन दिनों सिसहनी का लक्ष्मीनारायण घाट भक्ति, आध्यात्मिकता और मेले की रौनक से सराबोर है। 63 वर्षों से निरंतर चली आ रही यह धार्मिक परंपरा न केवल क्षेत्र की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को जीवंत बनाए हुए है, बल्कि नई पीढ़ी को भी अपनी धार्मिक परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने का कार्य कर रही है। छह दिवसीय यह आयोजन क्षेत्र में श्रद्धा, सामाजिक एकजुटता और सांस्कृतिक उत्सव का अनुपम उदाहरण बन गया है।

125 एकड़ में बनेगा SEZ, पीएम करेंगे शिलान्यास



बीएनएम @ बेतिया।

पश्चिम चंपारण जिले के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए चनपटिया प्रखंड के कुमारबाग औद्योगिक क्षेत्र में 125 एकड़ जमीन पर विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) विकसित किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 नवंबर 2026 को वैशाली से वर्चुअल माध्यम से करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने कुमारबाग औद्योगिक क्षेत्र पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी लेते हुए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम स्थल पर आधारभूत सुविधाओं, तकनीकी व्यवस्था और अन्य आवश्यक इंतजामों को दुरुस्त रखने पर विशेष जोर दिया गया। 125 एकड़ में प्रस्तावित यह विशेष आर्थिक क्षेत्र पश्चिम चंपारण के औद्योगिक परिदृश्य में बदलाव लाने की क्षमता रखता है। परियोजना को लेकर स्थानीय स्तर पर भी उम्मीदें बढ़ी हैं। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त शिवाक्षी दीक्षित, अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा, अनिल कुमार सिन्हा, एसडीएम विकास कुमार, वरीय उप समाहर्ता रोचना माद्री सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बिना स्वीकृति नाली निर्माण, घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप



बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। गौनाहा प्रखंड की मटियरिया पंचायत के सिरसिया गांव स्थित वार्ड संख्या-6 में नाली निर्माण कार्य में अनियमितता के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना प्रशासनिक स्वीकृति और प्राक्कलन के ही निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया है। निर्माण में स्थानीय गांगुली नदी का सफेद बालू, कथित रूप से निम्न गुणवत्ता की ईंट और सफेद पत्थर का इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं, मजदूरों से खुदाई कराने के बजाय जेसीबी मशीन का उपयोग किया जा रहा है। निर्माण स्थल पर योजना से संबंधित सूचना बोर्ड भी नहीं लगाया गया है, जिससे योजना की लागत, स्वीकृत लंबाई, समय-सीमा और प्राक्कलन की जानकारी नहीं मिल पा रही है। पंचायत के तकनीकी सहायक नितेश कुमार ने योजना की लागत और लंबाई की जानकारी होने से इनकार किया। वहीं, पंचायत सचिव सनी कुमार ने बताया कि कार्य 15वें वित्त आयोग की योजना से कराया जा रहा है, लेकिन पंचायत या प्रखंड स्तर से अभी इसकी स्वीकृति नहीं मिली है। उनके अनुसार, निर्माणकर्ता द्वारा अग्रिम रूप से काम कराया जा रहा है। बताया जाता है कि मनराज महतो के घर से सिरसिया चौक तक करीब 600 से 700 फीट लंबी नाली का निर्माण हो रहा है। स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने, निर्माण में इस्तेमाल सामग्री की गुणवत्ता और स्वीकृति से जुड़े दस्तावेजों की जांच करने तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

दो घंटे में सकुशल बरामद हुआ चार वर्षीय बच्चा



बीएनएम @ मोतीपुर(मुजफ्फरपुर)

मोतीपुर(मुजफ्फरपुर)। बाजार में कपड़े की दुकान से खरीदारी के दौरान एक महिला का चार वर्षीय पुत्र ऋषभ कुमार अचानक लापता हो गया। हालांकि, पुलिस की तत्परता से उसे महज दो घंटे में सकुशल बरामद कर लिया गया। जानकारी के अनुसार, बरूराज थाना क्षेत्र के हरनाही गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार की पत्नी पूजा कुमारी अपने पुत्र के साथ मायके कोदरकट्टा गांव से मोतीपुर बाजार में कपड़े की खरीदारी करने आई थी। इसी दौरान बच्चा दुकान के पास से लापता हो गया। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष हेमंत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू की। पुलिस ने बच्चे की तस्वीर के साथ सोशल मीडिया पर सूचना प्रसारित की। इसी बीच बखरा गांव के राहुल कुमार ने पुलिस को फोन कर एक बच्चे के भटकने की जानकारी दी। पुलिस ने बच्चे को बरामद कर उसकी मां को सकुशल सौंप दिया। बताया गया कि बच्चा एक अन्य महिला को अपनी मां समझकर उसके पीछे चला गया था। बच्चे के मिलने पर मां ने राहत की सांस ली।

पीएम के वैशाली दौरे को लेकर मुजफ्फरपुर में यातायात प्रतिबंध

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर। प्रधानमंत्री के 21 नवंबर को वैशाली जिला अंतर्गत प्रस्तावित परिभ्रमण कार्यक्रम को लेकर मुजफ्फरपुर शहर में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। इस दौरान वीवीआईपी एवं अन्य अतिथियों के साथ बड़ी संख्या में आम लोगों के आने की संभावना को देखते हुए जिला पुलिस ने यातायात प्रतिबंध लागू किया है। मनियारी थाना क्षेत्र के काजीइंदा चौक से महुआ की ओर जाने वाले मार्ग पर भारी एवं व्यावसायिक वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। फकुली चौक से दाहिने लालगंज की ओर जाने वाली सड़क पर भी भारी एवं व्यावसायिक वाहनों का प्रवेश निषेध रहेगा। वहीं, सरैया थाना क्षेत्र के मानिकपुर एवं बखरा चौक से वैशाली की ओर जाने वाली सड़क पर भी ऐसे वाहनों के परिचालन पर रोक रहेगी। समस्तीपुर से आने वाले वाहन मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर मार्ग (एनएच-122, पुराना एनएच-28) से रामदयालु तिनमुहानी, रामदयालु गुमटी और मधौल मोड़ होते हुए एनएच-22 के रास्ते वैशाली जाएंगे। सारण से सरैया के रास्ते आने वाले वाहन पाताही फ्लाईओवर, न्यू बाइपास और मधौल मोड़ होते हुए एनएच-22 से वैशाली की ओर जाएंगे। आपातकालीन सेवाओं को प्रतिबंध से छूट रहेगी। यातायात व्यवस्था में आवश्यकता के अनुसार बदलाव किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए यातायात नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 06212211010, 9431896700 और 06212212107 पर संपर्क किया जा सकता है। पुलिस ने आम नागरिकों से मुजफ्फरपुर-हाजीपुर मार्ग पर संभावित भारी दबाव और भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था में सहयोग करने तथा वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है।

घरेलू विवाद में युवक को चाकू मारा, हालत गंभीर



बीएनएम @ बेतिया

लौरिया थाना क्षेत्र की कटैया पंचायत के लंगड़ी गांव स्थित वार्ड संख्या-11 में घरेलू विवाद के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे 32 वर्षीय अफरोज अंसारी पर चाकू से हमला कर दिया गया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। अफरोज अंसारी, जाकिर मियां के पुत्र बताए गए हैं। जानकारी के अनुसार, घर की महिलाओं के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। इसी दौरान अफरोज विवाद शांत कराने पहुंचे। आरोप है कि तभी नूरजहां खातून और अजमुल्लाह ने पीछे से उन पर चाकू से हमला कर दिया। परिजनों ने घायल युवक को लौरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सक डॉ. जितेंद्र काजी ने प्राथमिक उपचार किया। गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए बेतिया जीएमसीएच रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना पर लौरिया थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर डीएम सख्त

बीएनएम @ खगड़िया



खगड़िया। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और सरकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने को लेकर जिलाधिकारी विक्रम विरकर ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। गुरुवार को समाहरणालय में आयोजित स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक में उन्होंने विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। यक्ष्मा नियंत्रण कार्यक्रम के तहत कार्यरत सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर (एसटीएस) के कार्यक्षेत्र को युक्तिसंगत बनाने तथा गैर-संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम की उपलब्धियों की यादृच्छिक जांच कराने का निर्देश दिया। आयुष्मान भारत योजना के तहत अस्पतालों के आईपीडी में भर्ती सभी मरीजों का इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड (ईएचआर) तैयार करने और मॉडल रोस्टर गाइडलाइन के अनुसार चिकित्सकों की ड्यूटी सुनिश्चित करने को कहा। पैथोलॉजी जांच की संख्या बढ़ाने के लिए आउटसोर्सिंग एजेंसी को निर्देश दिया गया, जबकि संस्थागत प्रसव का आंकड़ा उपलब्ध नहीं कराने वाले निजी स्वास्थ्य संस्थानों से जवाब-तलब करने को कहा गया। डीएम ने गर्भवती महिलाओं को अस्पताल से छुट्टी के समय जन्म प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने, पुरुष नसबंदी के मामलों में वृद्धि के लिए विशेष प्रयास करने तथा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत चलंत चिकित्सा दल द्वारा उपचारित बच्चों का आभा आईडी बनवाने का निर्देश दिया। सभी स्वास्थ्य संस्थानों में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से नेत्र जांच शिविर आयोजित करने और जरूरतमंदों को चश्मा वितरित करने को कहा। इसके अलावा वृद्ध मरीजों एवं गर्भवती महिलाओं की आवश्यकता के अनुसार ईसीजी जांच सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त श्रेया श्री, सिविल सर्जन सहित स्वास्थ्य विभाग के संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

पात्र मतदाता का नाम छूटे नहीं, अपात्र का जुड़े नहीं: आयुक्त

बीएनएम @ खगड़िया



खगड़िया। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाने को लेकर निर्वाचक सूची प्रेक्षक सह मुंगेर प्रमंडल के आयुक्त प्रेम सिंह मीणा ने गुरुवार को खगड़िया का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर पुनरीक्षण कार्यों की स्थिति का जायजा लिया तथा बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा दावा एवं आपत्ति से संबंधित प्रपत्रों के संधारण की समीक्षा की। इसके बाद समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी विक्रम विरकर, विधायकगण और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। आयुक्त ने निर्देश दिया कि मतदाता सूची में किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम छूटना नहीं चाहिए और किसी अपात्र का नाम शामिल नहीं होना चाहिए। उन्होंने जिले के वर्तमान लिंगानुपात 896 को बढ़ाकर 930 करने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए महिला मतदाताओं के नाम अधिक से अधिक संख्या में जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा। विशेष अभियान दिवस पर सभी बीएलओ को अपने निर्धारित मतदान केंद्रों पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने, पुनरीक्षण अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और नियमित समीक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने में सहयोग की अपील की। प्रशासन ने मतदाताओं से अपना नाम सूची में जांचने और नाम नहीं होने पर संबंधित बीएलओ से संपर्क कर दावा प्रपत्र भरने की अपील की है।

साइड-लाइन में समिट

अभी भी ट्रंप ने क्वॉड शिखर सम्मेलन के लिए अलग से समय निकालने की जरूरत नहीं समझी है। वे आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने फिलीपीन्स आए हैं तो कुछ घंटे क्वॉड के लिए भी निकाल लेंगे। आखिरकार क्वाड्रैंगुलर सिक्युरिटी डॉयलॉग (क्वॉड) का शिखर सम्मेलन होने की संभावना उज्ज्वल हुई। लेकिन ऐसा इसलिए नहीं हुआ कि आखिरकार डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने फिर इस मंच की अहमियत समझ ली हो। अभी भी ट्रंप ने क्वॉड शिखर सम्मेलन के लिए अलग से समय निकालने की जरूरत नहीं समझी। वे आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने फिलीपीन्स आए हैं और उसके बाद एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन में हिस्सेदारी के लिए चीन के शेनझेन जाएंगे। इस बीच मनीला में कुछ घंटे वे क्वॉड के लिए भी निकाल लेंगे। इस कार्यक्रम सूची से बतौर राष्ट्रपति दूसरे कार्यकाल में ट्रंप की प्राथमिकताओं का अंदाजा लग जाता है।

फिलपीन्स की राजधानी में क्वॉड की मंगलवार को प्रस्तावित बैठक के जिस एजेंडे की चर्चा मीडिया में है, वह भी अमेरिकी निगाह में इस मंच के महत्त्व को जाहिर करता है। बताया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, और जापान एवं ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्रियों के साथ क्वॉड शिखर बैठक में रेयरअर्थ सहित अन्य महत्त्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला निर्मित करने, समुद्री सुरक्षा एवं व्यापारिक जहाजों के जल-मार्ग को सुरक्षित करने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। लेकिन इसमें चीन से संबंधित विवाद गायब हैं, जबकि क्वॉड जब बना था, तो उसका मकसद चीन को घेरना ही माना जाता था। दशक भर पहले वह वो दौर था, जब अमेरिका ने चीन की ताकत को नियंत्रित करने के मकसद के तहत ही इंडो-पैसिफिक की रणनीति अपनाई थी। अब वह एशिया प्रशांत की शब्दावली की तरफ लौट चुका है। बल्कि उससे भी आगे जाते हुए ट्रंप शी जिनपिंग के अमेरिका और चीन के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक स्थिरता के संबंध का फॉर्मूला स्वीकार कर चुके हैं। ऐसे में क्वॉड की उपयोगिता पर स्वाभाविक प्रश्न-चिह्न खड़े हुए हैं। फिलहाल, जब राष्ट्रपति बनने के पौने दो साल बाद जब ट्रंप ने क्वॉड के लिए कुछ घंटे निकाले हैं, तो उनके प्रशासन ने आश्वासन देने की कोशिश की है कि क्वॉड लाइफ- सपोर्ट पर नहीं है, और इस मंच के तहत अपने सहयोगी देशों के साथ अमेरिका ने विचार-विमर्श करना जारी रखा है। लेकिन सवाल है कि उन चर्चाओं के आखिर दिशा क्या निकली है?

युवा राजनीति से भरोसा खो रहे हैं?

श्रुति व्यास

समय विरोध और असंतोष का है। दिल्ली और मुंबई में बेचैनी है तो यूरोप भी असंतोष की शरद ऋतु से गुजर रहा है। पेरिस में गुस्सा सुलग रहा है। जर्मनी के हैम्बर्ग में बैरिकेड जल रहे हैं। मिलान और ट्यूरिन में प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़पें हैं। अल्बानिया और बेलग्रेड से लेकर केन्या और तुर्की तक युवा सड़कों पर हैं। दक्षिण एशिया में तो जनता के गुस्से ने सरकारें तक गिराई हैं। देश अलग हैं। समस्याएं अलग हैं। मगर सब जगह एक जैसी बेचैनी है। जिस पीढ़ी को अपने माता-पिता से बेहतर जीवन मिलने की उम्मीद थी, वह अब उन्हीं सत्ताधारियों से जवाब मांग रही है जिन्होंने उसे अच्छे दिनों के सपने दिखाए थे।

सत्ता की प्रतिक्रिया में कुछ नया नहीं है। सरकारें अव्यवस्था की निंदा करती हैं। टेलीविजन स्टूडियो साजिशें खोजते हैं। और हमेशा की तरह विदेशी हाथ भी बता दिया जाता है। खबरों में जलते बैरिकेड हैं। पुलिस से भिड़ते प्रदर्शनकारी हैं। युवाओं को पकड़कर पुलिस वैन में ठूंसने के दृश्य हैं। मगर यह जानने की फिक्र किसे है कि आखिर ये युवा सड़कों पर उतरे क्यों हैं? उनका गुस्सा किस बात पर है? वे किससे और क्या मांग रहे हैं? विचित्र विरोधाभास है। वर्षों तक युवाओं को राजनीति से उदासीन बताया गया। कहा गया कि वे मोबाइल की स्क्रीन में खोए हैं। घोषणापत्रों से अधिक मीमों में उनकी दिलचस्पी है। लेकिन अब जब उसी पीढ़ी ने स्क्रीन का इस्तेमाल संगठित होने, सवाल पूछने और सत्ता को चुनौती देने के लिए शुरू किया है तो उसकी राजनीतिक जागरूकता ही चिंता का कारण बन गई है। युवा राजनीति से दूर रहें तो शिकायत और राजनीति में उतरें तो साजिश! दरअसल, जवाब उन वादों में है जिन्हें सुनते हुए यह पीढ़ी बड़ी हुई। पढ़ाई से अवसर मिलेंगे। आर्थिक विकास से समृद्धि आएगी। तकनीक जीवन आसान बनाएगी। जेन जी को विश्वास दिलाया गया कि उसका भविष्य पिछली पीढ़ी से बेहतर होगा। सरकारों ने उसकी आकांक्षाओं का उत्सव मनाया। कंपनियों ने उसमें विशाल बाजार खोजा और राजनेताओं ने उसकी भाषा बोलना सीख लिया। मगर बड़े होने पर युवाओं ने क्या पाया? शिक्षा महंगी है, नौकरी अनिश्चित है। घर खरीदना मुश्किल है। करियर का भरोसा नहीं और अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उन पेशों का भविष्य भी बदल रहा है जिनके लिए उन्होंने वर्षों पढ़ाई की। अर्थव्यवस्था बढ़ रही है। शेयर बाजार रिकॉर्ड बना रहे हैं। लेकिन देश की समृद्धि और नौजवान की अपनी आर्थिक सुरक्षा के बीच फासला क्यों बढ़ रहा है? इसमें तकनीक ने एक नई विडंबना पैदा की है। अमीरी, ऐश्वर्य और अच्छे जीवन की तस्वीरें हर समय मोबाइल पर हैं। सब कुछ दिखाई देता है, लेकिन सबकी पहुंच में नहीं है। शायद इसीलिए वह पीढ़ी भी पुराने समय का आकर्षण पाल रही है जिसने वह समय देखा ही नहीं। विनाइल रिकॉर्ड, फिल्म वाले कैमरे, हाथ से लिखे पत्र, धीमी रफ्तार की जिंदगी! इसे फैशन कह सकते हैं। मगर सोचें, जो युवा अतीत में कभी रहे ही नहीं, वे उसमें सुकून क्यों खोज रहे हैं? क्या इसलिए कि भविष्य उन्हें भरोसेमंद नहीं लगता? और असंतोष केवल आर्थिक नहीं है। राजनीति से भी मोहभंग है। केन्या में करों के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन सत्ता के विशेषाधिकारों और जवाबदेही के सवाल तक पहुंचा। तुर्की में विपक्ष पर कार्रवाई के विरोध में छात्र सड़कों पर आए। नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध ने भ्रष्टाचार और राजनीतिक परिवारों के विशेषाधिकारों के खिलाफ जमा गुस्से को भड़का दिया। यूरोप में भी अलोकप्रिय नीतियों और राजनीतिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ विरोध है।

हर जगह तात्कालिक कारण अलग है, लेकिन सवाल उससे बड़ा है। आखिर सत्ता किसके लिए है और किसके प्रति जवाबदेह है? भारत में यह विरोधाभास और दिलचस्प है। एक दशक से युवाओं को बताया गया कि भारत महान बनने की दहलीज पर है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, युवा आबादी का लाभ और विकसित भारत! बड़े सपने देखो। उद्यमी बनो। दुनिया से मुकाबला करो। मगर इन्हीं सपनों के बीच रोजगार की अनिश्चितता, महंगी शिक्षा, परीक्षाओं के विवाद और अवसरों के लिए निर्मम प्रतिस्पर्धा भी है। सवाल यह नहीं कि देश ने प्रगति नहीं की। सवाल है कि देश की उपलब्धियों का युवाओं के अपने जीवन से कितना मेल है? देश अमीर हो रहा हो, लेकिन उसका नौजवान अपने भविष्य को लेकर असुरक्षित हो तो वह विकास को कैसे समझेगा?

इतिहास में इसकी गूंज है। मई 1968 में पेरिस के छात्रों ने विश्वविद्यालयों की जकड़ी व्यवस्था और चार्ल्स द गॉल की सत्ता को चुनौती दी। मजदूर भी साथ आए। फ्रांस हिल गया। वह विद्रोह केवल आर्थिक शिकायतों का नहीं था। समाज की आकांक्षाएं बदल चुकी थीं, लेकिन सत्ता और संस्थाएं पुराने ढर्रे पर थीं। द गॉल तत्काल संकट से बच गए, मगर उस आंदोलन ने बता दिया कि सत्ताधारी अपनी नई पीढ़ी को कितना कम समझते हैं। आज का पेरिस 1968 का पेरिस नहीं है। आज के युवाओं के पास वैसी वैचारिक प्रतिबद्धता, संगठन या क्रांति का सपना भी जरूरी नहीं। तब घोषणापत्र, बौद्धिक बहस और छात्र संगठन थे। आज मीम, व्यंग्य और डिजिटल नेटवर्क हैं। एक मजाक नारा बनता है। नारा प्रदर्शन में बदलता है और प्रदर्शन कभी राजनीतिक संकट पैदा कर देता है। राजनीतिक चेतना है, मगर किसी पार्टी के प्रति स्थायी निष्ठा हो, यह जरूरी नहीं।

यहीं स्थापित राजनीतिक दलों की मुश्किल है। वे मानते आए हैं कि मतदाता सरकार से नाराज होगा तो विपक्ष के पास जाएगा। लेकिन ऐसा क्यों हो? युवा सरकार को खारिज कर सकता है, बिना विपक्ष पर भरोसा किए। किसी नीति का विरोध कर सकता है, बिना किसी विचारधारा का समर्थक बने। सड़क पर उतर सकता है, बिना किसी पार्टी का झंडा उठाए। राजनीति में दिलचस्पी और राजनीतिक दलों के प्रति निष्ठा दो अलग बातें हैं। सरकारें विपक्षी पार्टियों से लडऩा जानती हैं। नेताओं पर हमले, आरोप-प्रत्यारोप, चुनावी मुकाबले, सब आजमाए हुए तरीके हैं। मगर उस गुस्से का क्या करें जो किसी पार्टी ने पैदा नहीं किया? जिसे किसी नेता के बयान से शांत नहीं किया जा सकता? उधर विपक्ष भी यह मानकर नहीं चल सकता कि सरकार के खिलाफ हर प्रदर्शन उसके समर्थन में है। संभव है कि युवा सत्ता और विपक्ष, दोनों से एक साथ सवाल कर रहे हों। दक्षिण एशिया ने इस गुस्से की ताकत दिखाई है। श्रीलंका में 2022 के आर्थिक संकट के दौरान प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति आवास तक पहुंच गए। बांग्लादेश में 2024 के छात्र आंदोलन ने शेख हसीना के लंबे शासन का अंत किया। नेपाल में 2025 के युवा विद्रोह के बीच केपी शर्मा ओली को पद छोडऩा पड़ा। मगर सरकार गिराना और बेहतर व्यवस्था बनाना एक बात नहीं है। अरब स्प्रिंग याद करें। मिस्र में मुबारक गए, मगर लोकतंत्र स्थायी नहीं हुआ। लीबिया संघर्ष में फंस गया और सीरिया विनाशकारी गृहयुद्ध में। जनविद्रोह परिवर्तन की शुरुआत हो सकता है, उसकी सफलता की गारंटी नहीं। लेकिन इन आंदोलनों में एक फर्क समझना जरूरी है। एक पीढ़ी वह होती है जो नई दुनिया बनाने का सपना लेकर विद्रोह करती है। दूसरी वह जो पूछती है कि जिस दुनिया का वादा किया गया था, वह बनी क्यों नहीं? पहली के पास कोई विचार, आदर्श या मंजिल होती है। दूसरी के पास टूटे भरोसे का अनुभव है। वह पुराने जवाब मानने को तैयार नहीं, मगर जरूरी नहीं कि उसके पास नए जवाब हों। आज के युवा असंतोष में यही सवाल प्रमुख है। नौजवानों को केवल सरकार बदलने से क्या मिलेगा? रोजगार, शिक्षा, आवास और भविष्य की सुरक्षा के सवाल क्या सत्ता परिवर्तन से हल हो जाएंगे? और यदि विपक्ष भी उन्हीं पुराने राजनीतिक तौर-तरीकों में उलझा है तो उस पर भरोसा क्यों किया जाए?

इसलिए पेरिस, नैरोबी, काठमांडू और दिल्ली को एक ही राजनीतिक आंदोलन का हिस्सा मानना गलत होगा। हर देश की परिस्थितियां अलग हैं। हर प्रदर्शन क्रांति का संकेत नहीं है। मगर सबको युवाओं की अधीरता या सोशल मीडिया का क्षणिक उबाल बताकर खारिज करना भी ठीक नहीं। सरकारों ने युवाओं तक पहुंचने के तमाम तरीके सीख लिए हैं। वे उनकी स्क्रीन पर हैं।

उनकी भाषा बोलती हैं। उनके लिए वीडियो, रील और मीम बनवाती हैं। उनकी पसंद-नापसंद का अध्ययन करती हैं। चुनावी प्रचार को डिजिटल मनोरंजन में बदल देती हैं। मगर क्या वे युवाओं के सवाल सुनने को भी उतनी ही तैयार हैं? असल मुश्किल यही है। सत्ताधारी जानते हैं कि नौजवानों का ध्यान कैसे खींचना है, लेकिन जब नौजवान जवाब मांगने लगें तो क्या कहना है? उन्हें राष्ट्र की उपलब्धियां गिनाई जा सकती हैं, भविष्य के सपने दिखाए जा सकते हैं, विरोधियों की नीयत पर सवाल उठाए जा सकते हैं। मगर नौजवान का अपना सवाल तो फिर भी बना रहता है। पढ़ाई की, मेहनत की, सपने देखे, अब आगे क्या? और शायद राजनीति के लिए सबसे बड़ा सवाल भी यही है। जिस पीढ़ी को राजनीति से उदासीन समझा गया, वह अब राजनीति से जवाब मांग रही है। लेकिन सत्ता और विपक्ष, दोनों के सामने चुनौती है कि क्या वे उसे अपने पुराने वादों से अलग कुछ ठोस दे सकते हैं? आखिर युवा राजनीति से भाग नहीं रहे। वे उस राजनीति पर भरोसा खो रहे हैं जो उनके भविष्य की बातें तो बहुत करती है, मगर उनके वर्तमान का जवाब नहीं देती।

बचपन के रंगों में रचा-बसा था नेहरू जी का जीवन दर्शन

श्वेता गोयल

-जब प्रधानमंत्री बने बच्चों के खेल के साथी

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की शख्सियत से भला कौन परिचित नहीं होगा। बच्चों से उन्हें इतना लगाव था कि उन्हें प्यार से 'बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू' कहा जाने लगा था। अपने कोट की जेब पर हमेशा प्रेम का प्रतीक गुलाब का फूल लगाए रहने वाले जवाहरलाल नेहरू बच्चों से इतना स्नेह करते थे कि आज भी वह देश के प्रथम प्रधानमंत्री से पहले 'चाचा नेहरू' के रूप में ही अधिक याद किए जाते हैं। बच्चों के प्रति पंडित नेहरू के इस विशेष लगाव को देखते हुए ही सन् 1956 से उनके जन्मदिन को 'बाल दिवस' के रूप में मनाने का निश्चय किया गया था और तभी से पंडित नेहरू का जन्मदिवस (14 नवंबर) बाल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। जब उनके जन्मदिवस को 'बाल दिवस' के रूप में मनाने का निश्चय किया गया था, तब नेहरू जी ने कहा था, ''मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि मेरे देश के बच्चों ने मेरे जन्मदिन को ही 'अपना दिन' बना लिया है। इससे ज्यादा इज्जत और खुशी की बात भला मेरे लिए और क्या हो सकती है कि मेरे मुल्क के बगीचे के इन कोमल फूलों और कोंपलों ने मुझे अपना इतना स्नेह दिया है। मेरी यही कामना है कि इन सबको फलने-फूलने का पर्याप्त अवसर मिले।'' पं. जी के जीवनकाल के अनेक ऐसे संस्मरण एवं किस्से उद्धृत किए जा सकते हैं, जो उनकी महान् शख्सियत और बच्चों के प्रति उनका अपार स्नेह बयान करते हैं। एक बार नेहरू जी बाल मंदिर देखने गए थे, जहां तीन से पांच साल तक के बच्चे पढ़ते थे। उस समय सभी बच्चे नाच-गाने में मग्न थे। जब पंडित जी वहां पहुंचे और दूर बैठकर बच्चों का नाच-गाना देखने लगे तो एक चार वर्षीया बालिका उनके पास आई और बड़े अनुरोधपूर्वक कहा कि आप भी हमारा साथ दीजिए। पहले तो पंडित जी काफी ना-नुकूर करते रहे। उन्होंने बच्चों को यह कहकर बहलाने का प्रयास भी किया कि इस बार तो नहीं लेकिन अगली बार तुम्हारे साथ जरूर नाचूंगा लेकिन जब उस बच्ची



ने जिद पकड़ ली तो आखिर पंडित जी को उस छोटी सी बच्ची के आगे झुकना पड़ा और इतने विशाल देश के प्रधानमंत्री होते हुए भी उन बच्चों की खुशी के लिए उनके साथ वे बच्चा बनकर नाचे। जब दीवाली का मौका होता तो वे अपने नाती राजीव और संजय के बाल मित्रों को आनंद भवन बुलाते और उनके साथ दीवाली मनाते हुए कहते कि बच्चों आतिशबाजी चलाकर दीपावली मनाओ और खुशियां बांटो। जो बच्चे पटाखे चलाते हुए डरते, उन्हें कहते कि जो बच्चे इन छोटे-छोटे पटाखों से ही डर जाएंगे, वे आगे चलकर देश के बहादुर सिपाही कैसे बनेंगे? कभी-कभी वह इलाहाबाद में दीवाली की रात बाहर का नजारा देखने निकल पड़ते और रास्ते में गरीब बच्चों को भी मिठाईयां, नए कपड़े और पटाखे देते हुए उनके साथ पटाखे चलाने लगते।

एक बार उन्हें किसी जरूरी काम से दीवाली पर मास्को जाना पड़ा। उस समय तक वहां दीवाली के मौके पर पटाखे नहीं चलाए जाते थे लेकिन पंडित जी की दीवाली तो बच्चों के साथ पटाखे चलाए बिना अधूरी थी। इसलिए उन्होंने वहां भी बच्चों से पटाखे मंगवाए और काफी बच्चों को एकत्रित कर उनके साथ पटाखे चलाने लगे। वहां के बच्चे पटाखों की रंग-बिरंगी रोशनी और धूमधड़ाके से बहुत प्रभावित हुए और खुशी से झूम उठे। उसके बाद से मास्को में भी हर साल दीवाली के मौके पर पटाखे चलाने का दौर शुरू हो गया।

नेहरू जी छोटे थे, तब की एक घटना है। एक बार मैदान में कुछ बच्चे गेंद से खेल रहे थे। खेलते-खेलते गेंद उछलकर लकड़ी के एक खोल में जा गिरी। खोल का मुंह छोटा था, इसलिए बच्चों से बहुत कोशिश के बाद भी गेंद नहीं निकल पा रही थी। जब नेहरू जी ने बच्चों की परेशानी को देखा तो उनसे रहा न गया। उन्होंने उन बच्चों से दो बाल्टी पानी मंगवाया और पानी लकड़ी के उस खोल में भर दिया। फिर क्या था, पानी भरते ही गेंद पानी में ऊपर आ गई और उन्होंने गेद निकालकर बच्चों को दे दी। सभी बच्चे बालक जवाहरलाल की बुद्धिमत्ता से बहुत प्रभावित हुए।

बच्चों के साथ-साथ देश और जनता से भी नेहरू जी बहुत प्यार करते थे और यही कारण था कि अधिकांश देशवासी भी उनसे उतना ही स्नेह करते थे और उन्हें आदर-सम्मान देते थे, जितना बच्चे देते थे। 74 वर्ष की आयु में 27 मई 1964 को पंडित जी स्वर्ग सिधार गए लेकिन अपने निधन से पूर्व अपनी वसीयत में उन्होंने लिखा, ''मेरे मरने के बाद मेरी अस्थियां देश के उन खेतों में बिखेर दी जाएं, जहां भारत का किसान अपना पसीना बहाता है ताकि वे देश की मिट्टी में मिल जाएं।'' ऐसे थे बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू!

(लेखिका 18 वर्ष से अधिक समय से शिक्षण क्षेत्र में सक्रिय शिक्षाविद हैं)

वंदे भारत से जुड़ेगी दक्षिण भारत की विकास यात्रा पर्यटन और अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई गति

विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'

भारत में रेलवे केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, आर्थिक प्रगति, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक जुड़ाव का सशक्त माध्यम है। जब किसी नई रेल सेवा का विस्तार देश के प्रमुख महानगरों, समुद्रतटीय क्षेत्रों और पर्यटन स्थलों को जोड़ता है, तब उसका महत्व केवल यात्रियों की सुविधा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह क्षेत्रीय विकास की नई संभावनाओं के द्वार भी खोलता है। इसी दृष्टिकोण से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 13 नवंबर 2026 को यशवंतपुर–मडगाँव वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाना दक्षिण भारत की रेल कनेक्टिविटी के इतिहास में महत्वपूर्ण कदम है। नई वंदे भारत एक्सप्रेस बेंगलुरु, तटीय कर्नाटक और गोवा के बीच आधुनिक रेल संपर्क को मजबूत करेगी। इस सेवा से कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु का सीधा जुड़ाव गोवा के मडगाँव से होगा। इसके मार्ग में हासन, सकलेशपुर, सुब्रह्मण्य रोड, मंगलुरु, उडुपी, कुंडापुरा, मुरुडेश्वर, गोकर्ण और कारवार जैसे महत्वपूर्ण स्थान शामिल हैं। ये सभी क्षेत्र अपनी प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक आस्था, समुद्री तटों, ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान के लिए प्रसिद्ध हैं।

इस प्रकार यह रेल सेवा एक साथ महानगरीय जीवन,धार्मिक पर्यटन, समुद्रतटीय आकर्षण और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को जोड़ने का काम करेगी।दक्षिण पश्चिम रेलवे के अनुसार, 13 नवंबर को दो उद्घाटन विशेष रेल सेवाओं के संचालन के बाद 15 नवंबर से इस वंदे भारत एक्सप्रेस का नियमित परिचालन प्रारंभ होगा। यह सेवा उन यात्रियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध हो सकती है, जिन्हें बेंगलुरु से मंगलुरु और गोवा तक सुविधाजनक तथा आधुनिक रेल यात्रा की आवश्यकता है। व्यवसाय, शिक्षा, रोजगार और पर्यटन के उद्देश्य से इन क्षेत्रों के बीच आवागमन करने वाले लोगों को इससे बेहतर विकल्प मिलेगा।

वंदे भारत एक्सप्रेस भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भर भारत की भावना का प्रतीक बन चुकी है। आधुनिक सुविधाओं, बेहतर यात्री अनुभव और समयबद्ध परिचालन की परिकल्पना के साथ विकसित यह रेल सेवा देश में रेल यात्रा की बदलती तस्वीर प्रस्तुत करती है। इसका विस्तार यह भी दर्शाता है कि रेलवे की विकास योजनाओं में अब केवल बड़े शहरों को ही नहीं, बल्कि छोटे नगरों, धार्मिक केंद्रों और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

इस परियोजना का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि इसके साथ रेलवे की अन्य आधारभूत संरचना संबंधी उपलब्धियों को भी रेखांकित किया गया है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार ने बागलकोट–वंदाल रेल खंड की दोहरीकरण परियोजना के समर्पण तथा सकलेशपुर–सुब्रह्मण्य रोड मार्ग के विद्युतीकरण का उल्लेख किया। रेल दोहरीकरण से परिचालन क्षमता बढ़ाने, ट्रेनों की आवाजाही को अधिक सुगम बनाने और भविष्य में यात्री तथा माल परिवहन की मांग को पूरा करने में सहायता मिलती है। वहीं विद्युतीकरण से डीजल पर निर्भरता कम करने, ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सकारात्मक योगदान की उम्मीद है। कर्नाटक का पश्चिमी तटीय क्षेत्र प्राकृतिक संपदा और पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। मंगलुरु का समुद्री व्यापार, उडुपी की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान, मुरुडेश्वर का प्रसिद्ध शिव मंदिर, गोकर्ण के पवित्र समुद्रतट और कारवार की प्राकृतिक सुंदरता देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करती है। दूसरी ओर गोवा अपनी समुद्री संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और पर्यटन उद्योग के लिए विश्वविख्यात है। बेंगलुरु जैसे तकनीकी और व्यावसायिक महानगर से इन क्षेत्रों का सीधा रेल संपर्क पर्यटन को नई गति दे सकता है।

विशेष रूप से धार्मिक पर्यटन के संदर्भ में सुब्रह्मण्य रोड स्टेशन का महत्व उल्लेखनीय है। यहाँ से प्रसिद्ध कुक्के सुब्रह्मण्य मंदिर तक पहुँचना यात्रियों के लिए सुविधाजनक हो सकता है। भगवान सुब्रह्मण्य को समर्पित यह मंदिर दक्षिण भारत के प्रमुख धार्मिक तीर्थस्थलों में गिना जाता है। नाग पूजा और आध्यात्मिक परंपराओं के कारण इसकी विशिष्ट पहचान है। नई रेल सेवा से श्रद्धालुओं को बेंगलुरु और अन्य क्षेत्रों से इस तीर्थस्थल तक पहुँचने के लिए बेहतर परिवहन विकल्प उपलब्ध होगा। इसी प्रकार मंगलुरु और उडुपी के धार्मिक स्थलों के साथ समुद्रतटीय पर्यटन को भी लाभ मिल सकता है।रेल संपर्क में सुधार का सीधा संबंध स्थानीय अर्थव्यवस्था से भी है। पर्यटकों की संख्या बढ़ने पर होटल, परिवहन, रेस्तराँ, हस्तशिल्प, स्थानीय व्यापार और छोटे उद्यमों को प्रोत्साहन मिलता है। इससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं और स्थानीय समुदायों की आय में वृद्धि हो सकती है। बेहतर रेल संपर्क से व्यापारियों और व्यवसायियों को भी लाभ होगा। इस प्रकार वंदे भारत केवल यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने वाली रेलगाड़ी नहीं, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को गति देने वाला विकास का माध्यम बन सकती है।इस अवसर पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं कर्नाटक प्रभारी हरीश द्विवेदी ने केंद्र सरकार की आधारभूत संरचना विकास संबंधी पहलों की सराहना की। उन्होंने बेंगलुरु मेट्रो के सात किलोमीटर लंबे नए खंड के उद्घाटन का भी उल्लेख किया, जिससे शहर का कुल मेट्रो नेटवर्क लगभग 100 किलोमीटर तक पहुँचने की बात कही गई। यह संकेत है कि सड़क, रेल और शहरी परिवहन के विभिन्न माध्यमों का समन्वित विकास आधुनिक शहरों और क्षेत्रों की जरूरत बन चुका है।

हालाँकि किसी भी नई रेल सेवा की वास्तविक सफलता केवल उद्घाटन समारोह या आधुनिक सुविधाओं से नहीं, बल्कि नियमित परिचालन, समयपालन, यात्रियों की सुरक्षा, स्वच्छता और सुविधाजनक टिकट उपलब्धता से निर्धारित होती है। इसलिए आवश्यक है कि इस सेवा का संचालन यात्रियों की जरूरतों के अनुरूप हो और मार्ग के सभी प्रमुख स्टेशनों पर बेहतर यात्री सुविधाएँ सुनिश्चित की जाएँ।

निस्संदेह, यशवंतपुर–मडगाँव वंदे भारत एक्सप्रेस दक्षिण भारत के विकास मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

आज का राशिफल

मेषः आज कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिन्हें आप अपनी सूझबूझ से बखूबी निभाएंगे। व्यापार में विस्तार के लिए बनाई गई योजनाओं पर अमल करने का अनुकूल समय है। आर्थिक पक्ष पहले की तुलना में अधिक मजबूत होगा और रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ तालमेल बना रहेगा और घर में सुख-शांति का वातावरण रहेगा।

वृषः आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्यों और नई उपलब्धियों से भरा रहने वाला है। निवेश से जुड़े मामलों में अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना आपके लिए लाभदायक साबित होगा। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी और पुराने मतभेद दूर होने की पूरी संभावना है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के अनुरूप सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुनः आज आप अपनी वाणी और व्यवहार कुशलता से कठिन कार्यों को भी आसानी से पूरा कर लेंगे। व्यावसायिक यात्राएं सफल रहेंगी और नए संपर्क भविष्य में लाभ दिलाने वाले सिद्ध होंगे। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि बजट संतुलित रहे। घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें और उनकी सलाह को महत्व दें।

कर्कः आज का दिन भावनात्मक रूप से संतोषजनक और आर्थिक दृष्टि से लाभकारी रहेगा। लंबे समय से अटके हुए सरकारी या कानूनी कामों में आज गति आ सकती है। व्यापार में साझेदारी से किए गए कार्यों में अच्छा मुनाफा होने के योग बन रहे हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा और संतान की ओर से कोई सुखद समाचार मिल सकता है। अपनी दिनचर्या में योग और ध्यान को शामिल करें।

सिंहः आज आपके आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में आपके द्वारा लिए गए निर्णयों की सराहना होगी और नए अवसर प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ-साथ आय के नए स्रोत खुलने की संभावना है। दांपत्य जीवन में प्रेम और सामंजस्य बना रहेगा।

कन्याः आज का दिन योजनाबद्ध तरीके से काम करने और अधूरे कार्यों को निपटाने के लिए श्रेष्ठ है। नौकरी में बदलाव की इच्छा रखने वाले जातकों को अच्छे प्रस्ताव मिल सकते हैं। धन के लेन-देन में विशेष सतर्कता बरतें और किसी पर भी आंख मूंदकर भरोसा न करें।

तुलाः आज भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा और रुके हुए काम स्वतः ही बनने लगेंगे। पारिवारिक वातावरण सौहार्दपूर्ण रहेगा और भाई-बहनों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम जीवन में चल रही गलतफहमियां दूर होंगी और आपसी विश्वास पहले से गहरा होगा। सेहत के लिहाज से दिन सामान्य रहेगा, लेकिन नियमित व्यायाम को न छोड़ें।

वृश्चिकः आज आपको धैर्य और संयम के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है, जल्दबाजी से बचें। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है, लेकिन आपकी मेहनत आपको दूसरों से आगे रखेगी। हालांकि खर्चों में भी थोड़ी बढ़ोतरी हो सकती है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

धनुः आज का दिन उत्साह, ऊर्जा और सकारात्मक बदलावों से भरपूर रहने वाला है। उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को बड़ी सफलता मिल सकती है। व्यापारिक दृष्टि से दिन लाभप्रद है, पुराने निवेश से अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद है। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे और परिवार की जिम्मेदारियों को मिलकर निभाएंगे।

मकरः आज कर्मठता और अनुशासन के बल पर आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। ऑफिस में आपके काम की गुणवत्ता देखकर वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगे और नई जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। संपत्ति या वाहन खरीदने की योजना बना रहे लोगों के लिए समय अनुकूल है। पारिवारिक जीवन में शांति बनी रहेगी, लेकिन कार्य की अधिकता के कारण परिवार को कम समय दे पाएंगे।

कुंभः आज नए विचारों और नवाचारों के साथ काम करना आपके लिए बेहद फायदेमंद रहेगा। व्यापार में नई तकनीक अपनाने से उत्पादन और मुनाफे दोनों में वृद्धि होगी। दोस्तों और सहकर्मियों के सहयोग से कोई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट समय पर पूरा हो जाएगा।

मीनः आज का दिन आध्यात्मिक शांति और रचनात्मक कार्यों में सफलता दिलाने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपकी संवेदनशीलता और व्यवहारिक दृष्टिकोण से कठिन परिस्थितियां भी आसान हो जाएंगी। रुका हुआ पैसा वापस मिलने से आर्थिक चिंताएं दूर होंगी और मन हल्का महसूस करेगा। परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम और अपनापन बढ़ेगा, किसी उत्सव में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

वेलिंगटन टेस्ट दूसरा दिनः जायसवाल-राहुल ने भारत को दिलाई मजबूत शुरुआत, 1 विकेट पर बनाए 159 रन

- जायसवाल 85 रन बनाकर आउट; राहुल ने जड़ा अर्धशतक
- न्यूजीलैंड ने निकोल्स के नाबाद 175 और फिलिप्स के 118 रन की बदौलत पहली पारी में बनाए 368 रन

एजेंसी, वेलिंगटन



यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के बीच हुई 130 रन की शानदार साझेदारी की बदौलत भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में मजबूत शुरुआत की है। न्यूजीलैंड की पहली पारी के 368 रन के जवाब में भारतीय टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में एक विकेट के नुकसान पर 159 रन बना लिए हैं। इस तरह भारत अब न्यूजीलैंड से 209 रन पीछे है, जबकि उसके नौ विकेट सुरक्षित हैं। दिन का खेल समाप्त होने पर केएल राहुल 52 रन बनाकर नाबाद थे, जबकि देवदत्त पडिक्कल 15 रन बनाकर उनका साथ दे रहे थे। भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 85 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। उन्होंने 89 गेंदों का सामना किया और 16 चौके लगाए। हालांकि, वह अपना शतक पूरा करने से चूक गए। दूसरी ओर, राहुल ने संयम और आक्रामकता का अच्छा संतुलन बनाते हुए नाबाद अर्धशतक पूरा किया। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने भारतीय पारी को शानदार शुरुआत दिलाई और न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाया। न्यूजीलैंड की पहली पारी 368 रन पर समाप्त होने के बाद भारतीय सलामी बल्लेबाजों ने सावधानी के साथ पारी की शुरुआत की। भारत ने दूसरे दिन के अंतिम सत्र में अपनी पारी आगे बढ़ाई। उस समय टीम का स्कोर बिना किसी नुकसान के 16 रन था। जायसवाल 11 और राहुल पांच रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। शुरुआती ओवरों में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी और काइल जैमीसन ने अपनी सटीक लाइन-लेंथ और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने की कोशिश की। भारतीय सलामी जोड़ी ने हालांकि धैर्य बनाए रखा और धीरे-धीरे रन गति बढ़ानी शुरू की। जायसवाल ने हेनरी की गेंदों पर दो चौके लगाकर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए, जबकि राहुल ने जैकब डफी के खिलाफ आकर्षक शॉट लगाकर रन बटोरे। भारत ने 13.4 ओवर में 50 रन पूरे किए। इसके बाद दोनों बल्लेबाजों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू किया। शुरुआती 10 ओवर में भारत ने 23 रन बनाए थे, लेकिन अगले 10 ओवर में 56 रन जोड़कर अपनी रन गति में उल्लेखनीय सुधार किया। 20 ओवर की समाप्ति पर भारत का स्कोर बिना किसी नुकसान के 79 रन था। उस समय जायसवाल 43 और राहुल 34 रन बनाकर खेल रहे थे। जायसवाल ने जैकब डफी के 22वें ओवर में तीन शानदार चौके लगाए। इनमें उनका स्ट्रेट ड्राइव विशेष रूप से आकर्षक रहा। उन्होंने 66 गेंदों में आठ चौकों की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद नाथन स्मिथ की गेंद पर चौका लगाकर भारत ने 23.4 ओवर में 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया। जायसवाल ने इसके बाद आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और विकेटकीपर के ऊपर से शानदार रैंप शॉट खेलकर गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाया।

हालांकि, उनकी शानदार पारी का अंत मैट हेनरी ने किया। हेनरी की गेंद पर जायसवाल ने विकेट के पीछे टॉम ब्लंडेल को कैच थमा दिया। न्यूजीलैंड ने रिव्यू लिया, जिसमें फैसला गेंदबाज के पक्ष में गया। इस तरह भारत को 27.5 ओवर में 130 रन के स्कोर पर पहला झटका लगा। जायसवाल 85 गेंदों में 85 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी में 16 चौके शामिल रहे। पहला विकेट गिरने के बाद केएल राहुल ने देवदत्त पडिक्कल के साथ पारी को आगे बढ़ाया।

श्रीलंका दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई वनडे टीम में चार्ली नॉट और अनिका लियरॉयड को पहली बार मौका

एजेंसी, सिडनी



ऑस्ट्रेलिया की उभरती हुई खिलाड़ी चार्ली नॉट और अनिका लियरॉयड को अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। दोनों खिलाड़ियों के ऑस्ट्रेलिया की ओर से वनडे में पदार्पण करने की संभावना है। हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण एनाबेल सदरलैंड इस दौरे से बाहर हो गई हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को श्रीलंका दौरे के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की। ऑलराउंडर निकोला कैरी भी पारिवारिक अवकाश के कारण दौरे पर नहीं जाएंगी।

सदरलैंड पिछले सप्ताह दाहिने पैर की हैमस्ट्रिंग टेंडन में चोट के कारण वीबर महिला बिग बैश लीग के शेष मुकाबलों से बाहर हो गई थीं। वह 2027 की व्यस्त शुरुआत से पहले अपना पुनर्वास जारी रखने के लिए ऑस्ट्रेलिया में ही रहेंगी। तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन को भी कमर में डिस्क की चोट से उबरने में लंबा समय लग सकता है। उन्हें इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर कर दिया गया था। सदरलैंड और कैरी की अनुपस्थिति में चयनकर्ताओं ने भविष्य को ध्यान में रखते हुए चार्ली नॉट और अनिका लियरॉयड को मौका दिया है।

दोनों ने पिछले 12 महीनों में घरेलू क्रिकेट और ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से शानदार प्रदर्शन किया है। कैरी ने नवंबर की शुरुआत में अपनी साथी एलिस विलानी के साथ बेटे लुईस जेम्स का स्वागत किया था। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों ने अपने खेल को अगले स्तर तक पहुंचाया है और इसी वजह से उन्हें टीम में जगह मिली है। उन्होंने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, "दोनों कुछ समय से हमारी नजर में थीं। महिला बिग बैश लीग और कुछ महीने पहले भारत के ऑस्ट्रेलिया ए दौरे में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। ऐसा लगता है कि दोनों अपने खेल को अगले स्तर तक ले जा रही हैं।

टोटल चेस फाइनल में गिरी ने बनाई बढ़त, कार्लसन ने शानदार वापसी से जीता मुकाबला

एजेंसी, बुडापेस्ट



नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी ने टोटल चेस विश्व चैंपियनशिप टूर पायलट के फाइनल के पहले दिन ईरान के अलीरेजा फिरोजा को 11-9 से हराकर बढ़त बना ली। गुरुवार को खेले गए मुकाबले में गिरी की ब्लिट्ज में बेहतर प्रदर्शन निर्णायक साबित हुआ। दोनों खिलाड़ियों के बीच रैपिड मुकाबलों में एक-एक जीत हुई, जबकि फास्ट क्लासिकल गेम ड्रॉ रहा। गिरी को शुक्रवार को खिताब जीतने के लिए केवल जीत या ड्रॉ की जरूरत है। वहीं, फिरोजा को मुकाबला बराबर कर टाईब्रेक तक पहुंचाने के लिए दूसरे दिन जीत दर्ज करनी होगी। दोनों दिनों के अंक अलग-अलग रखे जाएंगे। यदि दोनों खिलाड़ी एक-एक दिन जीतते हैं या दोनों दिन ड्रॉ रहते हैं तो आर्मागेडन टाईब्रेक से विजेता का फैसला होगा। नॉकआउट के प्रत्येक दिन सात मुकाबले खेले जाते हैं, जिनमें चार ब्लिट्ज, दो रैपिड और एक फास्ट क्लासिकल गेम शामिल है। ब्लिट्ज में जीत पर एक, रैपिड में चार और फास्ट क्लासिकल में आठ अंक मिलते हैं। ड्रॉ होने पर दोनों खिलाड़ियों को आधे अंक दिए जाते हैं। तीसरे स्थान के लिए खेले जा रहे मुकाबले में अमेरिका के फैबियानो कारुआना ने फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को पहले दिन 11-9 से हराया। कारुआना ने शुरुआती दोनों ब्लिट्ज गेम जीते। उन्होंने एक जीत सफेद और दूसरी काले मोहरों से दर्ज की। इसके बाद बाकी पांचों गेम ड्रॉ रहे। कारुआना को तीसरा स्थान हासिल करने के लिए शुक्रवार को जीत या ड्रॉ की जरूरत है। दुनिया के दिग्गज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने 17वें स्थान के मुकाबले में व्लादिस्लाव आर्टेमिएव को 11-9 से हराकर दिन का अंत जीत के साथ किया। कार्लसन एक समय 3-9 से पीछे चल रहे थे। उन्होंने चार में से तीन ब्लिट्ज गेम जीते थे, लेकिन रैपिड के दोनों मुकाबले गंवा दिए। इसके बाद फास्ट क्लासिकल गेम में सफेद मोहरों से जीत दर्ज कर उन्होंने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

लक्ष्य सेन हांगकांग ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे, लोह कीन यू को किया पराजित

एजेंसी, हांगकांग



भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शुक्रवार को सिंगापुर के लोह कीन यू को 21-17, 10-21, 21-13 से हराकर हांगकांग ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। लक्ष्य ने मुकाबले की तेज शुरुआत करते हुए मध्यांतर तक 11-7 की बढ़त बना ली। हालांकि, लोह ने जोरदार वापसी की और स्कोर 14-14 से बराबर कर दिया। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़े मुकाबले में अंक हासिल करने की होड़ लगी रही। अंत में लक्ष्य ने अपना खेल बेहतर करते हुए पहला गेम 21-17 से जीत लिया। दूसरे गेम में लोह ने शुरुआत से ही नियंत्रण बना लिया। उन्होंने तेजी से 7-2 की बढ़त हासिल की और मध्यांतर तक 11-6 से आगे रहे। मध्यांतर के बाद भी उनका दबदबा जारी रहा। लोह ने बढ़त को 19-10 तक पहुंचाया और फिर 21-10 से गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। निर्णायक गेम में लक्ष्य ने शानदार वापसी की। उन्होंने मध्यांतर तक 11-5 की बढ़त बना ली। इसके बाद भी उन्होंने मुकाबले पर अपनी पकड़ बनाए रखी और बढ़त को 19-10 तक पहुंचा दिया। अंत में लक्ष्य ने 21-13 से गेम जीतकर कड़े मुकाबले में जीत दर्ज की। इससे पहले लक्ष्य ने प्री-क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क के रासमुस गेमके को सीधे गेमों में हराया था। अब वह बीडब्ल्यूएफ टूर फाइनल्स 2026 में भी अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। लक्ष्य ने लगातार दो खिताब जीतकर इस सत्र में शानदार वापसी की है। उन्होंने हाइलो ओपन और जापान मास्टर्स का खिताब अपने नाम किया। इन जीतों के साथ वह बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के प्रबल दावेदार बनकर उभरे। जापान मास्टर्स के फाइनल में कोकी वातानाबे को हराकर मिली जीत उनकी इस साल के सत्रांत टूर्नामेंट में जगह पक्की करने की कोशिश में निर्णायक साबित हुई।

बिजनेस

सर्राफा बाजार में भारी गिरावट, अगस्त 2025 के निचले स्तर के करीब सोना-चांदी

एजेंसी, नई दिल्ली



घरेलू और वैश्विक सर्राफा बाजार में आज लगातार गिरावट का रुख बना हुआ है। इसकी वजह से सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं की कीमत अगस्त 2025 के बाद के सबसे निचले स्तर के करीब पहुंच गई है। माना जा रहा है कि अमेरिकी डॉलर इंडेक्स की मजबूती और ब्याज दरों को लेकर बनी सख्ती की आशंका ने इन दोनों कीमती धातुओं की चमक फीकी कर दी है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर शुक्रवार सुबह कारोबार खुलते ही सोने और चांदी में जोरदार बिकवाली देखने को मिली। चार दिसंबर की डिलीवरी वाला सोना 3.94 प्रतिशत लुढ़क कर 1,22,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया। इसी तरह चांदी की कीमत में और भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। एमसीएक्स पर चांदी 5.73 प्रतिशत टूट कर 1,48,466 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर फिसल गई। इससे पहले गुरुवार के कारोबारी सत्र में एमसीएक्स पर सोना 1,29,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं चांदी 1,61,166 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बंद हुई थी। हाजिर बाजार की बात करें तो शुक्रवार को मुंबई में 24 कैरेट सोने का भाव 1,23,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,12,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर रहा। मुंबई के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 1,48,788 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास बनी रही। भारतीय सर्राफा बाजार और वायदा बाजार की इस सुस्ती के पीछे अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई भारी गिरावट को मुख्य वजह माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना शुरुआती कारोबार में 3,634 डॉलर प्रति औंस के आसपास था, लेकिन जल्द ही बिकवाली के दबाव में यह 2.60 प्रतिशत गिर कर 3,531 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना इस सप्ताह 10 प्रतिशत की बड़ी साप्ताहिक गिरावट की ओर बढ़ रहा है। दूसरी तरफ अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी भी 3.75 प्रतिशत टूट कर 43 डॉलर से नीचे फिसलते हुए 41 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार करती नजर आई। चांदी भी इस हफ्ते 9 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट दर्ज करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। सर्राफा बाजार में आई इस बड़ी गिरावट के पीछे कई वैश्विक आर्थिक कारण जिम्मेदार हैं। अमेरिकी डॉलर इंडेक्स 19 महीने के उच्च स्तर के करीब बना हुआ है, जिससे अन्य मुद्राओं वाले खरीदारों के लिए सोना महंगा हो गया है। इसके साथ ही अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और महंगाई के लगातार बने दबाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। बाजार में यह आशंका गहरा गई है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व दिसंबर की आगामी बैठक में ब्याज दरों में और बढ़ोतरी कर सकता है। जब ब्याज दरें बढ़ती हैं, तो बिना ब्याज देने वाले निवेश विकल्प के रूप में सोने का आकर्षण कम हो जाता है। इस बीच कच्चे तेल के बाजार में ब्रेंट क्रूड वायदा 90 डॉलर प्रति बैरल के पार मजबूती के साथ 91.98 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है, जिससे महंगाई का दबाव बना हुआ है। कमोडिटी मार्केट के जानकारों का मानना है कि इस गिरावट का असर आम खरीदारों और वायदा निवेशकों पर बिल्कुल अलग-अलग पड़ रहा है।

एमसीएक्स पर सोना 2,330 रुपये और चांदी 3,154 रुपये टूटी, कच्चे तेल में लौटी तेजी

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू कमोडिटी बाजार (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज- एमसीएक्स) में सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन आज सुबह के शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव के बीच मिला-जुला माहौल बना हुआ है। सोना और चांदी भारी गिरावट के साथ लाल निशान में फिसल गए हैं, जबकि कच्चे तेल में तेजी का रुख बना हुआ है। वहीं बेस मेटल सेगमेंट में आज सुबह के सत्र में लगातार सुस्ती और कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका, बॉन्ड यील्ड में मजबूती और डॉलर की तुलना में भारतीय मुद्रा रुपये के मजबूत स्तर पर पहुंचने के कारण आज सुबह कमोडिटी मार्केट में सोना और चांदी के भाव पर बिकवाली का दबाव हावी रहा। दूसरी ओर, मध्य एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव और मिसाइल हमलों की खबरों के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आ गया है। इसका असर घरेलू कमोडिटी मार्केट एमसीएक्स में भी नजर आ रहा है। सोना और चांदी के कारोबार की बात करें, तो मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज सुबह इन दोनों चमकीली धातुओं की कीमत में बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

एनसीडीईएक्स पर बिनौला खली और अरंडी में उछाल, धनिया और मसालों पर रहा दबाव

एजेंसी, नई दिल्ली



घरेलू कृषि कमोडिटी बाजार (नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज-एनसीडीईएक्स) में सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन आज शुरुआती कारोबार के दौरान मिला-जुला रुख नजर आ रहा है। देश की प्रमुख कृषि उपज मंडियों से मिल रही आवक की स्थिति और निर्यात मांग के संकेतों के बीच आज सुबह खली और तिलहन फसलों में अच्छी खरीदारी दर्ज की जा रही है। इसके विपरीत, मसाला और ग्वार कॉम्प्लेक्स में ऊपरी स्तर पर हल्की मुनाफावसूली और सीमित दायरे का कारोबार दिख रहा है। बिनौला खली और तिलहन फसलों की बात करें तो आज सुबह नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज पर बिनौला खली यानी कॉटन सीड ऑयल केक के भाव में जोरदार तेजी के साथ शुरुआत हुई है। दिसंबर डिलीवरी वाला बिनौला खली कॉन्ट्रैक्ट 1.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,992 से 3,994 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर कारोबार करता देखा गया। इसी तरह जनवरी और फरवरी कॉन्ट्रैक्ट्स में भी दो प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की गई है। पशु चारे की मांग बढ़ने और कपास की आवक सीमित रहने से इन कीमतों को सीधा सहारा मिल रहा है। अरंडी के बीज यानी कैस्टर सीड के बाजार में भी आज सुबह खरीदारों का दबदबा कायम है। दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट वाला कैस्टर सीड वायदा 1.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,380 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर कामकाज कर रहा है, जबकि जनवरी कॉन्ट्रैक्ट भी 1.01 प्रतिशत मजबूत होकर 8,420 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर पहुंच गया है। गुजरात की डीसा और कडी जैसी प्रमुख हाजिर मंडियों में अरंडी के भाव 8,135 से 8,195 रुपये प्रति क्विंटल के आसपास मजबूत स्तर पर बने हुए हैं, जिसका सकारात्मक असर वायदा बाजार पर दिख रहा है। मसाला और ग्वार कॉम्प्लेक्स की बात करें तो आज सुबह इन जिंसों में सतर्कता के साथ सीमित दायरे में कारोबार हो रहा है। जीरा वायदा में दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 28,430 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर के आसपास स्थिर रुख के साथ कामकाज कर रहा है, जबकि उंझा मंडी में इसका हाजिर भाव 28,455 रुपये प्रति क्विंटल के करीब बना हुआ है। धनिया वायदा में अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 0.95 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 14,450 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि कोटा मंडी में इसका हाजिर भाव 16,719 रुपये के आसपास दर्ज किया गया है। इसी तरह ग्वार कॉम्प्लेक्स में भी आज सुबह मिला-जुला रुख नजर आ रहा है। जोधपुर मंडी में ग्वार गम का हाजिर भाव 16,561 रुपये और ग्वार सीड का हाजिर भाव 8,301 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर के आसपास बना हुआ है। वायदा बाजार में जनवरी कॉन्ट्रैक्ट वाला ग्वार सीड 8,545 रुपये प्रति क्विंटल के दायरे में सीमित उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार कर रहा है।

डीजीसीए ने परिचालन संकट को लेकर स्पाइसजेट से मांगा जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली



नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने परिचालन संकट और नियमों के उल्लंघन को लेकर स्पाइसजेट को सात दिन का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। डीजीसीए ने एयरलाइन से पूछा है कि नियमों के उल्लंघन पर उसके खिलाफ क्यों न कार्रवाई की जाए। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक डीजीसीए ने 17 नवंबर को जारी नोटिस में एयरलाइन के परिचालन प्रदर्शन में लगातार गिरावट, समय पर उड़ान संचालन में कमी और उड़ानों में देरी एवं रद्द होने की बढ़ती घटनाओं पर स्पष्टीकरण मांगा है। नियामक ने स्वीकृत उड़ान कार्यक्रम का पालन नहीं करने, उड़ानों में व्यवधान के कारण यात्रियों को हो रही परेशानी और यात्रियों की सुविधा के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जाने का मुद्दा भी उठाया है। डीजीसीए ने कहा कि स्पाइसजेट के बेड़े के अधिकांश विमान जमीन पर खड़े हैं और एयरलाइन इन विमानों को दोबारा सेवा में लाने के लिए कोई विश्वसनीय योजना पेश करने में नाकाम रही है। इसके साथ ही नियामक ने अनिवार्य बीमा कवर के नवीनीकरण को लेकर अनिश्चितता के साथ-साथ सेवा प्रदाताओं को भुगतान में देरी से परिचालन में आ रही बाधाओं पर विदेशी विमानन नियामकों की ओर से जताई गई चिंताओं का भी उल्लेख किया है।

फॉरेक्स मार्केट में रुपये का दम- डॉलर, यूरो और पॉन्ड के मुकाबले आई तेजी

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार (फॉरेक्स मार्केट) में सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन आज भारतीय मुद्रा रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शानदार मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की है। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में आज सुबह भारतीय रुपया पिछले बंद भाव 93.30 की तुलना में 10 पैसे मजबूत होकर 93.20 प्रति डॉलर के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार के दौरान रुपये में यह बढ़त और तेज हो गई, जिससे इसने 93.0775 प्रति डॉलर के ऊपरी स्तर तक मजबूती हासिल की। सुबह 9:45 बजे भारतीय रुपया 0.1275 रुपये यानी 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 93.1725 प्रति डॉलर के स्तर पर कारोबार करता हुआ देखा गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर इंडेक्स में आई नरमी और भारत में हो रहे रिकॉर्ड विदेशी निवेश ने आज सुबह रुपये को जोरदार सहारा दिया है। दुनिया की प्रमुख छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की ताकत को दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स आज सुबह पिछले बंद भाव 103.92 के मुकाबले 0.10 अंक यानी 0.10 प्रतिशत टूट कर 103.82 के स्तर पर आ गया है। हालांकि, एशियाई के अलग अलग शेयर बाजार में जारी जोरदार बिकवाली के कारण ऊपरी स्तर पर निवेशकों में थोड़ी सतर्कता भी दिखाई दे रही है। अमेरिकी डॉलर के साथ-साथ प्रमुख यूरोपीय मुद्राओं के मुकाबले भी आज सुबह भारतीय रुपये ने अपनी बढ़त को और मजबूत किया है।

वैश्विक कमजोरी के बीच भारतीय बाजार की शानदार रिकवरी, 463 अंक टूट कर खुलने के बाद हरे निशान में लौटा सेंसेक्स

एजेंसी, नई दिल्ली



घरेलू शेयर बाजार में आज जोरदार गिरावट के साथ शुरुआत होने के बाद शानदार रिकवरी का माहौल बना हुआ नजर आ रहा है। ग्लोबल मार्केट से मिले बेहद कमजोर संकेतों, अमेरिकी बाजार में तकनीकी शेयरों की बड़ी बिकवाली और एशियाई बाजारों में आए भूचाल के कारण आज सुबह घरेलू बाजार पर भारी दबाव देखा गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी 50 दोनों प्रमुख सूचकांकों ने बड़ी गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत की। हालांकि, बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही घरेलू संस्थागत निवेशकों और आईटी सेक्टर के शेयरों में खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इन दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी से सुधार होने लगा। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.02 प्रतिशत और निफ्टी 50 सूचकांक 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स आज कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच 463.50 अंक यानी 0.56 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 82,558.25 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल और कैपिटल गुड्स क्षेत्र के दिग्गज शेयरों में बिकवाली का दबाव देखने को मिला। इस बिकवाली के कारण यह सूचकांक शुरुआती मिनट में ही फिसल कर 82,403.27 अंक के स्तर तक गिर गया।

बिग बॉस में पति विक्की जैन ने नहीं दिया साथ

अंकिता लोखंडे बोलीं- जिंदगी में कभी इतना नहीं रोई



अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने पति विक्की जैन के साथ अपने रिश्ते, पुरानी लड़ाइयों और बिग बॉस के घर में बिताए मुश्किल पलों को लेकर खुलकर बात की है। अंकिता का कहना है कि पहले उनके और विक्की के बीच काफी झगड़े होते थे, लेकिन बिग बॉस में साथ रहने के बाद दोनों एक-दूसरे को बेहतर तरीके से समझने लगे हैं। अब उनके रिश्ते में पहले से ज्यादा समझदारी आ गई है और आपसी बहस भी काफी कम हो गई है। अंकिता हाल ही में पति विक्की जैन के साथ नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो डबल डेट में पहुंचीं। इस दौरान दोनों ने अपने रिश्ते के कई अनकहे पहलुओं पर बात की। अंकिता ने रियलिटी शो बिग बॉस के दौरान के भावुक पलों को याद किया, वहीं विक्की ने भी शो में अपने अनुभव और चुनौतियों के बारे में बताया। अंकिता ने अपने रिश्ते में आए बदलाव को लेकर कहा, पहले हमारी बहुत लड़ाइयां होती थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं होता। पहले शायद एक-दूसरे को समझने में काफी परेशानी होती थी, लेकिन बिग बॉस के बाद हमारे बीच समझदारी बढ़ गई है। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें कई सालों से बिग बॉस का ऑफर मिल रहा था, लेकिन वह हर बार इसे ठुकरा देती थीं। उन्होंने कहा, मुझे हर साल बिग बॉस वाले बुलाते थे, लेकिन मैं हमेशा मना कर देती थी। मैं और विक्की दोनों रियलिटी शो के बड़े फैन हैं। जब उन्होंने दोबारा संपर्क किया तो मैंने कहा कि मैं तभी आऊंगी, जब विक्की भी मेरे साथ आएंगे। मेकर्स इसके लिए तैयार हो गए। घर में जाने से पहले हमने तय किया था कि क्या करेंगे और कैसे खेलेंगे, लेकिन वहां पहुंचते ही मैं खुद गेम खेलने लगी। उन्होंने कहा, शो के दौरान मेरे लिए सबसे मुश्किल दौर वह था, जब मुझे लगा कि विक्की मेरा साथ नहीं दे रहे हैं। वह अपने गेम में व्यस्त थे और मैं घर के अंदर खुद को अकेली महसूस कर रही थी। मुझे बहुत रोना भी आया। मैंने अपनी पूरी जिंदगी में इतने आंसू नहीं बहाए, जितने उस घर में रोई हूं। अंकिता ने कहा, उस समय सिर्फ विक्की की गलती नहीं थी। दोनों की उम्मीदें अलग-अलग थीं। मैं अपने पति से प्यार, इमोशनल सपोर्ट और भरोसा चाहती थीं, जबकि विक्की का पूरा ध्यान गेम खेलने और अपनी जगह बनाने पर था। हम इन परिस्थितियों को अलग-अलग तरीके से देख रहे थे। वहीं, विक्की जैन ने भी शो के दौरान खुद पर बने दबाव के बारे में बात की। उन्होंने कहा, अंकिता पहले से ही टीवी और मनोरंजन जगत का जाना-पहचाना चेहरा थीं। उनकी अपनी पहचान और फैन फॉलोइंग थी, जबकि मेरे लिए यह एक नई शुरुआत थी। मुझे शो में अपनी अलग पहचान बनानी थी और दर्शकों के बीच खुद को साबित करना था।

'रामायण' की फंडिंग और चित्रण पर नीतीश भारद्वाज के तीखे सवाल

सरकार से जांच की मांग



निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' इन दिनों दर्शकों और फिल्म जगत में चर्चा का बड़ा विषय बनी हुई है। जहां एक वर्ग फिल्म के प्रस्तुतीकरण और बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन को लेकर उत्साहित है, वहीं दूसरी ओर इसके कुछ पहलुओं पर बहस भी तेज हो गई है। इसी कड़ी में पौराणिक धारावाहिक 'महाभारत' में श्रीकृष्ण की भूमिका निभाकर लोकप्रिय हुए अभिनेता नीतीश भारद्वाज ने फिल्म को लेकर गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई हैं और इसकी आर्थिक पृष्ठभूमि की जांच की मांग उठाई है। एक समाचार चैनल से बातचीत में नीतीश भारद्वाज ने कहा कि फिल्म देखने के बाद उनकी धारणा में बड़ा बदलाव आया है। उनके अनुसार, प्रचार सामग्री सामने आने के समय उन्हें इस परियोजना से काफी अपेक्षाएं थीं। निर्देशक के पूर्व कार्यों, संगीतकार ए.आर. रहमान की मौजूदगी और बड़े व्यावसायिक आंकड़ों की चर्चाओं के आधार पर उन्हें लगा था कि यह फिल्म बड़े मंचों और पुरस्कारों तक पहुंच सकती है। लेकिन पर्दे पर फिल्म देखने के बाद उन्हें यह किसी विशेष विचारधारा या एजेंडे से प्रेरित प्रतीत हुई। नीतीश भारद्वाज ने मुख्य रूप से पात्रों के चित्रण पर असंतोष व्यक्त किया। उनका मानना है कि फिल्म में भगवान राम के व्यक्तित्व को अपेक्षित गरिमा और दृढ़ता के साथ नहीं दिखाया गया, जबकि रावण के चरित्र को अपेक्षाकृत सकारात्मक और प्रभावी रूप में प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने अयोध्या से प्रस्थान के प्रसंग में राम के भावुक चित्रण पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इससे इक्ष्वाकु वंश की परंपरा और मर्यादा की भावना के अनुरूप छवि सामने नहीं आती। रावण की भूमिका निभा रहे अभिनेता यश के किरदार का जिक्र करते हुए नीतीश ने कहा कि चरित्र के नकारात्मक पहलुओं को पर्याप्त रूप से नहीं दर्शाया गया है, बल्कि उसकी प्रस्तुति एक अलग ही वैचारिक रंग लिए हुए लगती है। उन्होंने कथा के अरण्य कांड और युद्ध कांड से जुड़े कुछ प्रसंगों के संपादन या अनुपस्थिति को लेकर भी प्रश्न खड़े किए। साथ ही उन्होंने यह चिंता जताई कि यदि रावण को न्यायप्रिय और आदर्श शासक जैसा दिखाया जाएगा, तो युवा पीढ़ी के बीच धारणा बदल सकती है और यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठेगा कि फिर अवतार की आवश्यकता ही क्यों पड़ी। अपनी बातों को आगे बढ़ाते हुए नीतीश भारद्वाज ने फिल्म से जुड़ी निर्माण संस्था के वित्तपोषण पर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि इस परियोजना में लक्जमबर्ग, संयुक्त अरब अमीरात और सिंगापुर जैसे देशों से पूंजी आने की बातें सामने आई हैं। इसी आधार पर उन्होंने केंद्र और संबंधित एजेंसियों से पूरे वित्तीय लेन-देन की गहन जांच कराने की अपील की तथा यह सवाल भी किया कि इस विषय पर आधिकारिक स्तर पर चुप्पी क्यों साध रखी गई है। फिल्म को लेकर उठ रही इन टिप्पणियों और मांगों ने 'रामायण' के इर्द-गिर्द चल रही चर्चा को एक नया मोड़ दे दिया है, जहां कलात्मक स्वतंत्रता, पौराणिक संदर्भों की व्याख्या और निवेश के स्रोतों को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण सामने आ रहे हैं।





पटना के कार्यक्रम में भड़कीं अक्षरा सिंह, फैन को दी महिलाओं का सम्मान करने की नसीहत



भोजपुरी सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री अक्षरा सिंह हाल ही में पटना में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उस समय नाराज हो गईं, जब भीड़ में मौजूद एक व्यक्ति ने अनुचित हरकत की। मंच से माइक संभालते हुए अक्षरा ने न केवल उस शख्स को टोका, बल्कि पूरे माहौल में महिलाओं के प्रति सम्मान और व्यवहार की मर्यादा पर अपनी बात रखी। प्रत्यक्षदर्शियों और वायरल वीडियो के मुताबिक, कार्यक्रम के दौरान अक्षरा सिंह ने उस व्यक्ति के व्यवहार पर आपत्ति जताई और कहा कि उत्साह या मस्ती की एक सीमा होती है, लेकिन किसी को असहज करना या बेइज्जती करना गलत है। स्थानीय लहजे में उन्होंने कहा कि पटना की बोली में इस तरह की हरकत को क्या कहा जाता है, इससे वे भलीभांति परिचित हैं और यह तरीका कतई स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने भीड़ की ओर इशारा करते हुए पूछा कि जब वे खुद बिहार की बेटी हैं, तो उनके साथ या अन्य लड़कियों के साथ ऐसा बर्ताव करना कैसे सही हो सकता है। बातचीत के दौरान अक्षरा सिंह ने आज की युवा पीढ़ी यानी 'जेन जी' का जिक्र करते हुए कहा कि आज के कई युवा महिलाओं को सम्मान देना जानते हैं और कार्यक्रम में मौजूद ज्यादातर लोग भी शालीनता से पेश आ रहे हैं। उन्होंने उस फैन से कहा कि उसे भी वहां मौजूद समझदार लोगों से सीख लेनी चाहिए। अक्षरा की सख्त टिप्पणी के बाद जब उस प्रशंसक ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और माफी मांगी, तो अभिनेत्री का गुस्सा शांत हो गया। उन्होंने नरम लहजे में कहा कि गलती मान लेना बड़ी बात है और अब उन्हें वह अच्छा लगा। साथ ही उन्होंने उसे सकारात्मक रास्ते पर चलने और बिहार का नाम रोशन करने की सलाह दी। अक्षरा सिंह पिछले कुछ समय से अपनी फिल्मों के साथ-साथ निजी और सार्वजनिक घटनाक्रमों को लेकर भी चर्चा में रही हैं। बीते अक्टूबर में मुंगेर के एक दुर्गा पूजा आयोजन के दौरान अभिनेता पवन सिंह द्वारा उनसे और उनके परिवार से सार्वजनिक रूप से माफी मांगे जाने तथा भविष्य में साथ काम करने को लेकर दिए गए संकेत ने भी काफी सुर्खियां बटोरी थीं।

'दिलवाली दिवाली' -भावनाओं से जुड़ी प्यारी कहानी, मगर जल्दबाजी में खो गई गहराई



त्योहारी मौसम में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर पारिवारिक कहानियों की बहार के बीच नेटफ्लिक्स (Netflix) पर निर्देशक रितेश मेनन की फिल्म 'दिलवाली दिवाली' रिलीज हुई है। यह फिल्म इस सरल लेकिन अहम सच्चाई को सामने रखती है कि घर की पहचान महंगी सजावट या आधुनिक सुविधाओं से नहीं, बल्कि वहां बसने वाले लोगों के जुड़ाव और आत्मीयता से होती है। कहानी नॉर्वे में कार्यरत अंश सिक्का (मिहिर आहूजा) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने माता-पिता सुधीर (मनोज पाहवा) और सुखमनी (नीलू कोहली) को बेहतर व आरामदायक जीवन देने के लिए एक पॉश इलाके में आलीशान अपार्टमेंट दिलाता है। मगर माता-पिता का दिल अपने पुराने मोहल्ले, परिचितों और सादगी भरे माहौल में ही रमता है। नए फ्लैट की औपचारिक और एकाकी जीवनशैली उन्हें रास नहीं आती, लेकिन बेटे की भावनाओं को ठेस न पहुंचे, इसलिए वे खुश होने का अभिनय करते हैं। दिवाली पर जब अंश घर लौटता है, तो दोनों पक्षों के बीच छिपे राज और पारिवारिक समीकरण कहानी को आगे बढ़ाते हैं—जहां माता-पिता अपनी असल स्थिति छिपाने की कोशिश करते हैं, वहीं अंश भी अपनी कुछ आर्थिक परेशानियों से जूझ रहा होता है। रितु मागो द्वारा लिखी गई यह कहानी पीढ़ियों के बीच सोच के अंतर और 'आराम' बनाम 'अपनापन' की बहस को छूती है। अक्सर संतानें माता-पिता को भौतिक सुख-सुविधाएं देकर संतुष्ट मान लेती हैं, जबकि बुजुर्गों के लिए असली सुकून अपने पुराने दोस्तों, पड़ोसियों और साझा सुख-दुख के माहौल में छिपा होता है। फिल्म इसी संवेदनशील पहलू को उभारने का प्रयास करती है। निर्देशक रितेश मेनन की मंशा और फिल्म का मूल भाव सराहनीय है, लेकिन करीब 61 मिनट की छोटी अवधि में इसे समेटने की जल्दबाजी साफ झलकती है। कम समय के कारण कई भावनात्मक मोड़ अधूरे और सतही लगते हैं; यदि पटकथा को थोड़ा और वक्त और विस्तार दिया जाता, तो फिल्म का असर कहीं अधिक गहरा हो सकता था। अभिनय के मोर्चे पर मनोज पाहवा अपनी स्वाभाविक अदाकारी और हल्की-फुल्की टाइमिंग से कहानी को संभालते हैं, जबकि नीलू कोहली मां की भूमिका में सहज नजर आती हैं। मिहिर आहूजा बेटे के किरदार में ठीक-ठाक जंचते हैं, हालांकि उनके भावुक सफर को और निखारा जा सकता था। वहीं, औरा भटनागर बडोनी के हिस्से में बहुत सीमित दृश्य आए हैं। संक्षेप में कहें तो 'दिलवाली दिवाली' एक नेक विचार और भावनात्मक जुड़ाव वाली हल्की-फुल्की फिल्म है, जो गहराई की कमी के बावजूद खाली वक्त में एक बार देखी जा सकती है।

अनोखे मिजाज वाले जीनियस डॉक्टर के रूप में नजर आएंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी, 'डॉ. हसन' का टीजर जारी



अपनी स्वाभाविक और प्रभावशाली अदाकारी के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी एक बार फिर एक अलग किस्म के किरदार के साथ दर्शकों के सामने आ रहे हैं। आगामी मेडिकल-कॉमेडी ड्रामा वेब सीरीज 'डॉ. हसन' का 47 सेकेंड का टीजर जारी कर दिया गया है, जिसमें उनके साथ दीया मिर्जा भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आ रही हैं। यह सीरीज प्रसिद्ध अमेरिकी शो 'हाउस' (House) का आधिकारिक भारतीय रूपांतरण है, जो आगामी 11 दिसंबर 2026 को जियो हॉटस्टार (Jio Hotstar) पर स्ट्रीम होगी।

टीजर की शुरुआत ही मुख्य किरदार के बेबाक और अड़ियल अंदाज से होती है, जहां छड़ी के सहारे चलते हुए डॉ. हसन अस्पताल में मरीजों की कतार तोड़कर आगे बढ़ते हैं। चिकित्सा क्षेत्र के पारंपरिक नियमों और औपचारिकताओं से दूर रहने वाले एमडी मेडिसिन डॉ. हसन बेहद तेज दिमाग के धनी हैं, लेकिन उनका व्यवहार उतना ही रूखा और अनिश्चित है। टीजर के अंत में उनका संवाद—"हम डॉक्टर्स बीमारी ठीक करने के लिए बने हैं, मरीज ठीक करने के लिए नहीं"—उनके चरित्र की इसी विचित्रता और सोच को दर्शाता है। वहीं, दीया मिर्जा भी अस्पताल में एक डॉक्टर की भूमिका में दिखाई दे रही हैं, जिनकी कार्यशैली डॉ. हसन से बिल्कुल विपरीत है। मूल अमेरिकी सीरीज में यह यादगार भूमिका अभिनेता ह्यू लॉरी ने निभाई थी, जिसे अब भारतीय परिवेश, संवादों और संवेदनाओं के अनुरूप ढाला गया है। सीरीज का निर्देशन रोहन सिप्पी ने किया है, जबकि भारतीय दर्शकों के अनुसार इसकी पटकथा विनय छावल व केतन पेडगांवकर ने तैयार की है और संवाद विराट बसोया ने लिखे हैं। सीरीज में नवाजुद्दीन और दीया के अलावा फैसल राशिद, रहमत रतन, जयसन थाम और स्मरण सानू भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि इस कहानी को पढ़ते समय उन्हें बचपन की वे यादें ताजा हो गईं, जब वे अपने कस्बे के क्लीनिक और दवाखानों के आसपास दिलचस्प लोगों और घटनाओं को देखा करते थे। उनके अनुसार, इस भूमिका की सबसे रोचक बात इसकी गहरी बुद्धिमत्ता और दुनिया को देखने के अनूठे नजरिए को एक साथ पर्दे पर उतारना रही। बानीजय एशिया और एंडेमॉल शाइन इंडिया के सहयोग से निर्मित इस सीरीज को भारतीय जड़ों और रोजमर्रा के ह्यूमर से जोड़ते हुए तैयार किया गया है, ताकि जटिल मेडिकल रहस्यों के साथ मनोरंजन का संतुलन बना रहे।

नए '007' बने रॉबर्ट पैटिनसन, पांच साल बाद जेम्स बॉन्ड फ्रेंचाइजी को मिला नया चेहरा



हॉलीवुड अभिनेता रॉबर्ट पैटिनसन अब दुनिया के सबसे चर्चित जासूस जेम्स बॉन्ड की भूमिका निभाते नजर आएंगे। 'नो टाइम टू डाई' (2021) के करीब पांच वर्ष बाद फ्रेंचाइजी को नया चेहरा मिल गया है और डैनियल क्रेग के बाद रॉबर्ट इस प्रतिष्ठित किरदार को आगे बढ़ाएंगे। बीते सोमवार, 16 नवंबर को जेम्स बॉन्ड के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक विशेष वीडियो साझा कर इसकी औपचारिक घोषणा की गई।

जारी किए गए वीडियो में 40 वर्षीय रॉबर्ट पैटिनसन काले रंग का टक्सीडो पहने और हाथ में पिस्तौल थामे अंधेरे से बाहर आते दिखते हैं, जबकि पृष्ठभूमि में प्रसिद्ध '007' थीम संगीत बज रहा है। पोस्ट के कैप्शन में "आइडेंटिटी कन्फर्म" लिखा गया और अंत में "जेम्स बॉन्ड की वापसी होगी" का संदेश दिया गया। नए बॉन्ड के रूप में चुने जाने पर रॉबर्ट पैटिनसन ने इसे जीवन की बड़ी उपलब्धि और सम्मान बताया। उन्होंने निर्देशक डेनिस विलेन्यूवे, रचनात्मक टीम और अमेजन एमजीएम स्टूडियो (Amazon MGM Studios) का आभार जताते हुए कहा कि यह भूमिका उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसी है और वे इस नए अध्याय की शुरुआत को लेकर बेहद उत्साहित हैं। आगामी जेम्स बॉन्ड फिल्म का निर्देशन डेनिस विलेन्यूवे करेंगे, जिन्होंने रॉबर्ट के चयन पर खुशी जताते हुए कहा कि उनमें इस किरदार की चिर-परिचित कशिश के साथ-साथ एक नई ऊर्जा भी है। फिल्म की पटकथा और कहानी की जिम्मेदारी 'पीकी ब्लाइंडर्स' के रचनाकार स्टीवन नाइट को सौंपी गई है।

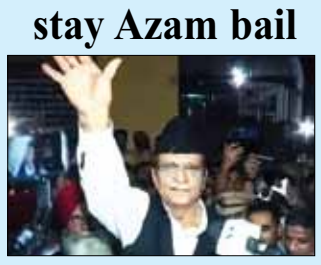
तीसरी बार मां बनीं ऐनी हैथवे, न्यूयॉर्क में नन्हे मेहमान के साथ पहली बार आईं नजर



ऑस्कर विजेता हॉलीवुड अभिनेत्री ऐनी हैथवे तीसरी बार मां बन गई हैं। 43 वर्षीय अभिनेत्री और उनके पति एडम शुलमैन के घर तीसरे बच्चे की किलकारी गूंजी है। हाल ही में ऐनी को न्यूयॉर्क शहर में अपने बच्चे के साथ पहली बार सार्वजनिक रूप से देखा गया, जहां वे बेबी कैरियर में नन्हे बच्चे को संभालती नजर आईं। बीते मंगलवार को मनोरंजन वेबसाइट 'टीएमजेड' (TMZ) द्वारा साझा की गई तस्वीरों में जन्म के बाद पहली बार ऐनी हैथवे बच्चे के साथ बाहर दिखाई दीं। उन्होंने शिशु को आगे की ओर बेबी कैरियर में बांध रखा था। 'द हॉलीवुड रिपोर्टर' के अनुसार, इस खबर के संबंध में अधिक विवरण के लिए अभिनेत्री की टीम से संपर्क किया गया है। ऐनी हैथवे ने जून 2026 में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर अपनी तीसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी, जिसमें उनका बेबी बंप दिखा था। उस पोस्ट के साथ उन्होंने "x बेबी, आई एम योर्स x" कैप्शन लिखा था और बैकग्राउंड में बारबरा लुईस का गीत 'बेबी आई एम योर्स' सुनाई दे रहा था। गर्भावस्था की जानकारी देने के अगले महीने 'लेट नाइट विद सेठ मेयर्स' शो में पहुंचीं ऐनी ने बताया था कि दोबारा माता-पिता बनने की यह खबर उनके और एडम के लिए बेहद चौंकाने वाली थी। बातचीत के दौरान उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में इसे अपनी 'बजर-बीटर' (अंतिम क्षण की कामयाबी) बताया था। वर्ष 2012 में शादी के बंधन में बंधे इस दंपति के पहले से दो बेटे—जोनाथन (10 वर्ष) और जैक (6 वर्ष)—हैं। तीसरे बच्चे के आने के बाद अब परिवार में सदस्यों की संख्या पांच हो गई है। कामकाज के मोर्चे पर वर्ष 2026 ऐनी हैथवे के लिए काफी व्यस्त रहा। इस साल उनकी पांच फिल्में— 'मदर मैरी', 'द डेविल वियर्स प्राडा 2', 'द ओडिसी', 'द एंड ऑफ ओक स्ट्रीट' और 'वेरिटी'—बड़े पर्दे पर रिलीज हुईं। लगातार फिल्मों के प्रचार और यात्राओं के बाद अक्टूबर में 'वेरिटी' की रिलीज के समय उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा था कि अब वे कुछ समय के लिए 'धुएं की तरह गायब' होकर अपने परिवार के साथ वक्त बिताना चाहती हैं।

BRIFF NEWS

The sky will not fall': SC denies to stay Azam bail



Lucknow, Agency: Samajwadi Party veteran Azam Khan walked out of Ghaziabad's Dasna jail Wednesday, a day after the Allahabad high court granted him interim bail in the Maulana Mohammad Ali Jauhar University and Jauhar Trust case, holding that ED failed to supply written grounds of arrest when taking him into custody. Justices Rajiv Gupta and Devendra Singh gave ED a week to file a detailed reply and allowed Azam 10 days to submit his rejoinder. The next hearing is on Dec 10.

On Wednesday, ED moved Supreme Court against the HC order, seeking an urgent hearing. However, Justice Joymalya Bagchi rejected the plea, saying, "The sky will not fall. Let him remain on interim bail." The matter is scheduled to be taken up on Friday. Azam, 78, had been lodged in jail since Nov 17 last year in a double PAN card case. Although he had briefly walked out of Rampur jail on Oct 31, he was immediately arrested by ED in the Jauhar University case. He was subsequently shifted to Dasna jail. ED has been examining alleged diversion and misuse of govt funds and construction material, land purchases and the sources of money used in developing the university. It has identified Rs 426.5 crore as alleged proceeds of crime and, on Oct 28, provisionally attached land and buildings belonging to the university valued at the same amount.

Govt hospitals to hike Ayushman packages from 23 to 112



New Delhi, Agency: Patients covered under Ayushman Bharat may soon get access to a wider range of routine medical treatments and surgical procedures, with govt proposing to expand packages reserved for public health facilities under the scheme from 23 to 112.

The 89 additional packages cover conditions such as anaemia, hypertension, bronchitis, diarrhoea, urinary tract infections and diabetes-related complications. Procedures include hysterectomy, circumcision, biopsy and treatment for haemorrhoids, cysts and lipomas, besides screening for diabetic retinopathy and glaucoma.

The focus is on treatments that can be provided at govt facilities, particularly community health centres and sub-divisional hospitals, subject to infrastructure and staff availability. Since 2019, 23 packages covering obstetrics, gynaecology and mental health have been reserved for public facilities. National Health Authority has invited states to suggest changes by Nov 25. The revised framework is proposed to take effect from Dec 1, after considering their feedback.

Hindu population growth to fall behind other religions in India, globally: Pew Study

New Delhi, Agency: India's Hindu population is projected to increase by 176 million between 2020 and 2070, but Hindus are expected to account for a slightly smaller share of the country's population as Muslims continue to have higher fertility rates, according to new projections by the Pew Research Center.

Despite the projected shift, Hindus are expected to continue making up more than three-quarters of India's population by 2070.

The global Hindu population is also projected to grow by 199 million over the same period, reaching nearly 1.4 billion. However, as the rest of the world's population is expected to grow at a faster pace, Hindus' share of the global population is projected to decline from 15% in 2020 to 14% in 2070.

The projections are part of a broader Pew Research Center study examining changes in the size and composition of major religious groups between 2020 and 2070. The estimates take into account differences in fertility rates, age profiles, religious switching and international migration. Pew said that although



India's overall fertility rate has declined rapidly in recent decades, Muslim women continue to have more children on average than Hindu women. Combined with the younger age profile of India's Muslim population, this fertility gap is expected to increase the Muslim share of the country's population while reducing the Hindu share.

India had 1.1 billion Hindus in 2020, accounting for around 95% of the global Hindu population. Nepal, with 24 million Hindus, Bangladesh with 13 million, Pakistan with 5 million and Indonesia with 4 million made up the other countries in the top five.

The rankings are expected to change by 2070, with the United States projected to have the world's fifth-largest Hindu population. Australia is also expected to enter the top 10, ranking ninth with around 3 million Hindus, while the United Arab Emirates is projected to drop out of the list.

Pakistan's Hindu population is expected to double to 10 million by 2070, although the country is projected to retain its fourth position in the global rankings.

Outside India, much of the projected growth in the Hindu population is expected to come from Pakistan and the United States. Pakistan is likely to see an increase primarily through natural population growth, with births outnumbering deaths, while immigration is expected to be the main driver of growth in the US.

The Asia-Pacific region, home to 99% of the world's Hindus, is projected to account for most of the community's growth over the next five decades.

Balasaheb like a deity to us': Eknath Shinde defends Shaina NC in photo row, says she has clarified

New Delhi, Agency: Maharashtra deputy chief minister Eknath Shinde on Wednesday backed party spokesperson Shaina NC amid a row over allegations that she tore a photograph of Bal Thackeray. The Shiv Sena chief clarified, saying "Balasaheb is like a deity to us" and that the torn portion of the picture showed Congress leader Mani Shankar Aiyar's face. Shinde said he had personally seen the photograph and that Shaina had already clarified the matter, news agency Media reported.

"Balasaheb Thackeray is like a deity to us. Any



insult to him is absolutely unacceptable. No one is permitted to do so. Shaina NC has already provided a clarification. The photograph in question shows Balasaheb Thackeray, who once took to the streets to strike Mani Shankar Aiyar with a slipper for insulting Swatantryaveer Savarkar. The part that was torn in the image was the face of Mani Shankar Aiyar. I have seen it myself," Shinde said.

He added that any act of disrespect towards Balasaheb Thackeray would not be tolerated.

Shinde also accused Congress leader Sonia Gandhi's memoir, Belonging: A Journey of Love, of insulting Hindutva ideologue VD Savarkar. He criticised Rahul Gandhi for repeatedly targeting Savarkar and condemned those who, he said, had abandoned Bal Thackeray's ideology."In a book written by Sonia Gandhi, Swatantryaveer Savarkar has been insulted. The Shiv Sena has expressed its protest by tearing out the two offensive pages. Rahul Gandhi repeatedly defames Savarkar, a man who endured such immense suffering and hardship for his country," he said.

"I condemn Rahul Gandhi for deliberately insulting Savarkar, and I also condemn those who sit alongside him in government, working in close alliance with him. I denounce those who have abandoned the ideology of Balasaheb Thackeray. Anyone who insults Swatantryaveer Savarkar will face condemnation, protest and agitation," he added.

US court to Delhi courts: Help serve summons to RAW ex-chief, Doval

New Delhi, Agency: A US district court has ordered alternative delivery of summons through Indian courts on NSA Ajit Doval and former Research and Analysis Wing chief Samant Goel. However, sources said the summons was not binding.



The Clerk of the US Court has been directed to send the necessary judicial documents via international mail or courier to three district courts in Delhi - Patiala House, Dwarka and Tis Hazari district courts.

The order was issued by Judge Katherine Polk Failla of the court of Southern District of New York in a civil lawsuit filed by Gurpatwant Singh Pannun, founder of pro-Khalistan outfit Sikhs for Justice (SFJ).

"The court respectfully requests the assistance of receiving Indian courts in effecting service of process upon the defendants in this civil action pending before this court," says an order by a US district court, seeking to serve summons on Ajit Doval and Samant Goel.

Private bikes, delivery services can generate 18 cr jobs: Gadkari

New Delhi, Agency: The Centre on Wednesday asked all states and Union territories to implement the Motor Vehicle Aggregator Guidelines, pointing out that only around half a dozen states have fully adopted the norms, nearly a year after they were notified.

Among the key provisions of the guidelines issued by the road transport ministry are allowing privately registered motorcycles to be onboarded by aggregators for commercial use and mandating insurance cover for drivers and passengers. Road transport minister Nitin Gadkari said the sector, which also includes private two-wheelers used for food deliveries, has the potential to generate around 18 crore employment opportunities, compared



with barely four crore at present.

"Just consider the number of families that will benefit once all states come on board, as it will be a source of earnings. Allowing private motorcycles to ferry passengers will meet the needs of a large section of people who currently have no last-mile connectivity from national highways to villages," he said.

The minister also urged drivers to help crash victims get quick medical care and said such people will be honoured as "Rahveer" and get a reward of Rs 25,000.

Can an Italian raise slogans against govt while in India on visa? SC to hear PIL

New Delhi, Agency: Supreme Court on Monday agreed to hear a PIL asking whether it was legally permissible for an Italian visiting India on a conference visa, to raise the political slogan "vote chor, gaddi chhod" in support of opposition's campaign against Election Commission and Modi govt at the Bharat Summit organised by Telangana Congress govt in Hyderabad.

The plea alleges Giacomo Filibeck, the secretary-general of the Party of European Socialists, raised the "vulgar, derogatory and demeaning political slogan" and translated it for other foreign delegates as "vote thief, leave from seat." Senior advocate Rizwan Ahmad sought an urgent hearing on the petition filed by Zahid Ali.

A bench of CJI Surya Kant



and Justices Joymalya Bagchi and V Mohana agreed to list the petition before a bench Friday.

Ahmad informed the court that Filibeck, endorsing the leader of the opposition's campaign, told the audience that the largest democracy in India had become corrupted and declared that "we stand by Rahul Gandhi, the Indian Congress party in defending the democracy in India".

Ahmad said the petitioner did not question Indian politicians criticising govt but "the endorsement and amplification of such domestic political positions by foreign political representatives, who are themselves associated with political organisations in other countries, raises a distinct concern regarding foreign participation in India's internal political discourse, particularly when such participation extends to the endorsement of controversial domestic political positions..."

The petitioner said when home ministry rules prohibited foreign delegates from taking part in any activity beyond the purpose of their visit to India, it was necessary for the court to examine whether Filibeck conformed to the visa conditions by getting involved in the political activities espoused by the opposition.

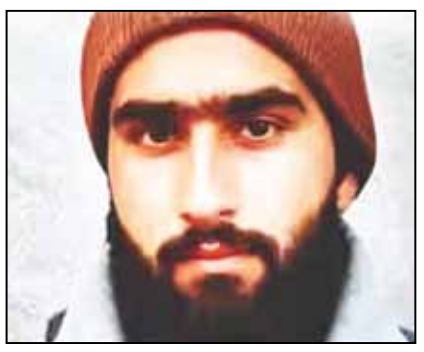
35 yrs on, a landmark moment: Forces kill Kashmir's last active local terrorist

New Delhi, Agency: Security forces killed 22-year-old Lashkar-e-Taiba terrorist Mohammad Lateef Bhat in a shootout outside a mosque in Kulgam district early Wednesday, ending a weeklong hunt and eliminating Kashmir's last known active local terrorist, according to J&K police.

The killing marked what police described as a watershed moment in Kashmir's 35-year fight against terrorism, dealing a blow to Pakistan's efforts to project terrorist violence in the Valley as a home-grown movement. It also marked a turning point in Kashmir's counterterror campaign, with police saying local recruitment into terrorist ranks had fallen to almost zero. Home minister Amit Shah hailed the operation as a coordinated success of J&K police, Army, CRPF and intelligence agencies, saying Bhat was Lashkar's last known active local terrorist in the valley.

Lateef Bhat, who carried a Rs 15 lakh bounty, was killed outside a mosque in Zangalpora village after a week-long chase across south Kashmir. His associate, Nisar, a new recruit, was killed near Larnoo bypass on Nov 16.

J&K Police DG Nalin Prabhat called it a milestone in the fight



against three decades of terrorism, saying local recruitment had fallen to almost zero. Only two Kashmiri youths joined LeT in the past two years, he said, adding that the force was working to dismantle the terrorist ecosystem. "We have been fighting Pakistan-sponsored terrorism for the past 35 years," Prabhat said.

Lieutenant governor Manoj Sinha said only a handful of foreign terrorists remained and J&K would soon be terrorism-free.Home minister Amit Shah posted on X, "Lateef Bhat was neutralised in an operation in Kulgam in the early morning hours. One of his terrorist associates, Umar Nisar, was also neutralised in Kulgam, the day before. The entire operation was marked by a very high level of synergy. The nation salutes the brave Jawans."

Local recruitment has fluctuated sharply over the years. The number fell from 54 in 2010 to 16 in 2013 before climbing to 53 in 2014, 66 in 2015, 88 in 2016 and 126 in 2017, according to security agencies. It peaked at 196 in 2018, declined to 143 in 2019 and rose again to 174 in 2020. Of those recruited in 2020, 76 were killed and 46 arrested. In 2021, 128 local youths joined terrorist groups - 73 were killed and 16 arrested. Bhat's killing followed a cat-and-mouse chase that began after the Nov 11 attack on a CRPF picket in Kulgam, in which three personnel were wounded. Human intelligence, CCTV footage, cyber surveillance and details from a phone Bhat had dropped while fleeing helped security forces trace him.

Bhat, a resident of Khrewan Chader village in Kulgam, had been wanted for the killing of a J&K police head constable in Anantnag and two migrant workers in Kulgam in July. He had escaped a shootout in Shopian in July, when his LeT associate, Zakir Ganie, was killed. Security forces cornered the duo in Kulgam on Nov 16. Nisar was killed near Larnoo bypass, but Bhat escaped, discarding his clothes to evade the cordon.

SC starts contempt case against lawyer for remarks against CJI

New Delhi, Agency: SC Wednesday initiated contempt proceedings against advocate Pravin Singhal for making derogatory remarks against CJI Surya Kant while appearing before his bench on Nov 16.

A bench of Justices Dipankar Datta, Joymalya Bagchi and V Mohana directed the erring lawyer to file his response by Jan 8 and also ordered him to appear personally before it on the next date of hearing on Jan 20.

"Having perused the papers placed before us, which includes the requisite consent of the learned Attorney General for India under Section 15(1)(b) of the Contempt of Courts Act, 1971, we are prima facie satisfied that the motion made by the petitioner - Supreme Court Bar Association (SCBA) - for initiation of proceedings against the sole respondent / alleged contemnor for the alleged derogatory remarks referred to in the petition together with the attempt to scandalise the authority of the Court deserves to be taken forward," the bench said in its order.

The controversy arose after



the lawyer, aggrieved by an alleged procedural lapse in non-listing of a petition, questioned the integrity of the CJI in open court proceedings and went to extent of telling him "You cannot sit in that chair. You do not deserve. You do not have the integrity for that."

Taking strong exception to the lawyer's scandalous behaviour, SCBA took the initiative to kick off the process against the lawyer. It first approached attorney general to take his consent which is needed to file a contempt petition. After getting his approval, the petition was drafted and filed and the court also showed the urgency to immediately list the case.

SCBA president and senior advocate Pradeep Rai said that the court must deal with such people with an iron hand as such incidents keep happening. "They feel that no action can be taken against them and that they can keep doing this.